भोपाल भाद्रपद कृष्ण पक्ष-2, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 88 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

19 सितम्बर 2024 गुरुवार

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

राष्ट्रपति ने उज्जैन में किया सफाई मित्रों का सम्मान, महाकाल लोक देखा

स्वच्छता के प्रति 10 साल में पूरे देश में बदल गया सभी का नजरिया

उज्जैन, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज यहां कहा कि महाकाल की नगरी उज्जैन में सदियों से संस्कृति और सभ्यता की परंपरा निरंतर अस्तित्व में बनी हुई है। सफाई मित्र सम्मेनल में शिकरत कर रही राष्ट्रपति ने कहा- मैंने अपनी जनसेवा की अपनी यात्रा स्वच्छता के कार्य से ही की थी। नोटिफाइडड एरिया काउंसिल की अध्यक्ष रहने के दौरान मैं प्रति दिन एक वार्ड से दूसरे वार्ड जाती थी। सफाई कार्य का निरीक्षण करती थी। इस दौरान अच्छे कामों को देखकर खुशी होती थी। पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी अभियान बन गया है। इससे देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने पांच सफाई मित्रों को सम्मानित किया। इसके बाद राष्ट्रपति ने उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे का वर्चुअल भूमि पूजन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि मध्यप्रदेश के कई शहरों को सफाई मित्र सुरक्षित शहर घोषित किया गया है। 2025 तक चलने वाले स्वच्छता भारत मिशन के दूसरे चरण के दौरान हमें संपूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य पूरा करना है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन की शुरुआत और अंत जय महाकाल के जयघोष के साथ किया।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ने स्वच्छ भारत अभियान में देशभर में दूसरा स्थान पाया है। इंदौर सात बार से देशभर में सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है। सबसे स्वच्छ राजधानी का गौरव भी भोपाल को मिला है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा- उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे से आध्यात्मिक-सांस्कृतिक नगरी उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। यह हाइवे इलाके का पर्यटन, सामाजिक और धार्मिक विकास भी करेगा।

महाकाल लोक के नंदी द्वार पर राष्ट्रपति का स्वस्ति वाचन और शंख वादन से स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होने गर्भगृह में जाकर दर्शन-पूजन किए तथा मंदिर परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े' के तहत श्रमदान किया। महाकाल लोक देखने के बाद मूर्ति बना रहे शिल्पकारों से त्रिवेणी सभा-मंडपम में संवाद भी किया।

उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे से 25 साल तक राहत

उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन हाईवे को सिंहस्थ 2028 और 25 साल की जरूरत को देखते हुए बनाया जा रहा है। अभी इस रूट पर रोजाना 25 हजार से ज्यादा वाहन चलते हैं। सफर में 60 से 70 मिनट लगते हैं।हाईवे बनने के बाद 55 किलोमीटर का सफर 35 से 40 मिनट में पूरा हो सकेगा। सिंहस्थ 2028 तक इस हाईवे पर ट्रैफिक लोड हर दिन 60 हजार से ज्यादा वाहनों का रहेगा। सिक्स लेन हाईवे से ट्रैफिक दबाव महसूस नहीं होगा। रोड से लगी इंदौर शहरी क्षेत्र की करीब 1 लाख आबादी को भी राहत मिलेगी। महाकाल दर्शन के लिए इंदौर रूट से उज्जैन आने वालों को भी फायदा होगा। इस प्रोजेक्ट की तत्काल शुरूआत पर सरकार का पूरा फोकस होगा।

आतिशी का सफरनामा भोपाल के पास आर्गनिक खेती से दिल्ली के ताज का

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से सशर्त त्याग के बाद आप पार्टी की ओर से दिल्ली की गद्दी संभालने वाली आतिशी सिंह आप पार्टी में आने से पहले एक स्वयंसेवी संस्था में काम करते हुए भोपाल के पास आर्गेनिक खेती कर चुकी हैं। उन्होंने बैरसिया रोड के एक गांव में इसके लिए जमीन खरीदी थी। रहने के लिए फार्म हाऊस भी बनवाया। वहां वे अपने प्रोजेक्ट पर काम करने के साथ ही केजरावाल की भावी रणनीति की तैयारी भी कर रही थीं। इसे दिल्ली की हवेली के नाम से जाना जाता था। इस दौरान वहां आप के कई नए पुराने चेहरे वहां आते रहते थे।

2013 में अन्ना के आंदोलन और फिर आप की सदस्याता लेने वाली आतिशी सिंह को तब शायद यह गुमान भी नहीं रहा होगा कि वे एक दिन आप की एक और महिला फाऊंडर और राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल की काट ढूंढने के फेर में दिल्ली की सीएम बन जाएंगी। जिन मनीष सिसोदिया के शिक्षा मंत्री रहते हुए सलाहकार के बतौर काम करने वाली आतिशी शायद यह नहीं जाानती थीं कि अरविंद केजरीवाल उन्हीं मनीष सिसोदिया का पत्ता काटकर उन्हें पांच महीने का सीएम बनने का मौका देंगे। कांग्रेस के नेतृत्व में चल रही यूपीए सरकार को हटाने के लिए चले अन्ना के आंदोलन के बाद अन्ना की मर्जी के खिलाफ पार्टी बनाकर दिल्ली की सत्ता पाने वाले केजरीवाल और उनकी राजनीति बेहद पेचीदगियों से भरी है।

केजरीवाल ने मुफ्त की बिजली पानी और महिलाओं को मुफ्त बस सेवा जैसी योजनाओं के सहारे अपनी जमीन तैयार की। केजरी वाल के जाल में दिल्ली के गरीब मतदाताओं के साथ कांग्रेस के थोकबंद मुस्लिम मतदाता भी आप के साथ हो लिए। यहां तक कि मुफ्त बिजली के नाम पर दिल्ली के मध्यम और उच्च वर्ग के मतदाता भी मुफ्त बिजली केस फेर में केजरीवाल के जाल में उलझ गए।

यही नहीं खुद कांग्रेस भी आप के फेर में अपनी जमीन गवां बैठी। जिस कांग्रेस को उन्होंने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने में मदद की वही कांग्रेस 49 दिन के लिए केजरीवाल को सीएम बनाने की सीढ़ी बनी। इसके बाद 2015 में हुए चुनावों में उसी कांग्रेस ने अपना वजूद मिाकर अपने वोट आप में शिफ्ट कराकर आत्मघात किया और आप ने कांग्रेस पूरी तरह सफाया करते हुए भाजपा को भी भारी नुकसान पहुंचाया। । कांग्रेस के लिए भस्मासुर बनीं चली आप की सरकार को 70 में से 67 सीटें जीतीं। 2020 में भी वह 62 सीटे जीतकर फिर सत्ता में लौटी और दिल्ली में कांग्रेस के नामलेवा का संकट खड़ा कर दिया। कांग्रेस के साथ हुई ताजा ठगी का नमूना हरियाणा में देखने को मिला जब कांग्रेस के इंडी गठबंधन को धता बताकर आप सारी 90 सीटों पर मैदान में उतर गई। बात सिर्फ कांग्रेस तक सीमित नहीं है। केजरीवाल ने अन्ना का उपयोग किया। कुमार विश्वास का भरोसा तोड़ा। योगेंद्र यादव से पल्ला झाड़ा? आशुतोष जैसे मशहूर पत्रकार को बाहर निकलने को विवश किया। कपिल मिशरा जैसे कई आप के सहयोगी कर्मठ नेता और कार्यकर्ता किनारे लगा दिए गए। प्रख्यात वकील प्रशांत भूषण भी ठगे से रह गए।

आप की ताकत का लंगोट घुमाते हुए केजरीवाल ने उन सभी को किनारे लगा दिया जो उन्हें सत्ता के करीब लाने में मददगार बने। बचे तो सिर्फ वो जो उनके खांटी समर्थक थे। चाणक्य सदियों पहले कह गए थे कि राजनीति समर्थक पसंद करती है दावेदार नहीं। केजरीवाल ने इसी बात का अनुसरण किया। लेकिन दिल्ली के शराब घोटाले में मनी। सिसोदिया और संजय सिंह के जेल जाने के बाद केजरीवाल को यह इल्म शायद नहीं था कि आबकारी घोटाले की आग उन्हें भी अपनी चपेट में ले लेगी। उन्हें अंदाजा नहीं था कि जेल की सलाखें उनका भी इंतजार कर रही हैं। 177 दिनों की जेल यात्रा के कुछ दिन के पैरोल को छोड़ दें तो जब केजरीवाल बाहर निकले उनके साथ जमानत की कई शर्तें भी जुड़ी थीं। मसलन सचिवालय नहीं जाएंगे। नीतिगत फैसले नहीं ले सकेंगे।

जेल जाने के बाद नैतिकता की दुहाई देने वाले केजरीवाल ने इस्तीफा तो नहीं दिया लेकिन जेल से बाहर आते ही दो दिन में यह पद त्यागने और नया जनादेश प्राप्त करने के बाद फिर से मुख्यमंत्रीकी कुर्सी पर बैठने का ऐलान कर डाला। त्रेता युग में राम ने 14 साल के वनवास पर जाने के पहले भरत को गद्दी सौंपते हुए यह नहीं कहा था कि वनवास से लौटते ही वह फिर गद्दी संभालंगे। लेकिन भरत ने बिना शर्त राम की खड़ाऊं रखकर राज किया और राम के आते ही उन्हें वापस राजकाज सौंप दिया। लेकिन केजरीवाल ने आतिशी सिंह को सीएम बनाने के साथ ही किसी कंपनी के प्रलोभन से भरे उत्पाद के इश्तेहार की तरह नीचे लिख दिया कि टर्म एंड कंडीशन एप्लाईज।

आतिशी को सीएम बनाने का दांव कितना सीधा कितना उल्टा: केजरीवाल ने चतुर राजनेता की तरह सभी प्रमुख दावेदारों को खारिज करते हुए आतिशी पर ही दांव क्यों खेला, इसकी कहानी भी दिलचस्प है। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल केजरीवाल के विश्वस्त विभव कुमार के हाथों पिटाई के बाद भले ही सुर्खियों में आई लेकिन आप को जानने वालों को पता है कि स्वाति मालीवाल का केजरीवाल से जुड़ाव एनजीओ में साथ कम करने से लेकर आप के संस्थापक सदस्यों में रहा है। केजरीवाल जब जेल गए तो उन्होंने कांग्रेस नेता अभिषेक मनु संघवी को वकील नियुक्त किया। उन्होंने केजरीवाल के साथ मनीष सिसोदिया संज सिंह और सतेंद्र जैन का मुकदमा इस शर्त के साथ लडने के लिए हामी भरी कि या तो वे इसके लिए मोी फीस लेंगे । फिर आप अपने को से उन्हें राज्यसभा पहुंचाए। केजरीवाल ने इसके लिए स्वाति मालीवाल से लेकर राघव चढ्ढा से बात की लेकिन दोनों ने संघवी के लिए राज्यसभा की सीट छोडने से इंकार कर दिया। इसी के चलते स्वाति पिटीं। इस मामले के तूल पकडने से महिला मतदाताओं में आप को लेकर गलत संदेश गया।

आतिशी के मुख्यमंत्री बनाने के पीछे पहली वजह यही है कि मालीवाल के फेर में लगे दाग को धोया जाए। दूसरा मनीष सिसोदिया की राह रोकी जाए जबकि उनकी जमानत के आदेश में केजरीवाल जैसी कोई पाबंदी या शर्तें नहीं थीं। लेकिन मनीष से मन ही मन खुन्नस केजरीवाल के मन में थी। दावेदारी वैसे भी उन्हें पसंद नहीं। फिर आतिशी के सीएम बनने से दिल्ली की ताकतवर कम्युनिस्ट लॉबी आप के साथ बनी रहेगी। संसद पर हमले के मास्टर माइंड अफजल गुरू की फांसी रोकने के लिए की गई कवायद में उनके पिता की भूमिका के चलते अफजल के पैरोकार कट्टर मुस्लिम वोट भी आप के पाले में गिरेंगे और महिलाओं में भी अच्छा संदेश जाएगा। फिर केजरी अपना सरकारी बंगला शीशमहल छोडक़र किराए के मकान में रहकर खास से आम आदमी बनकर घूमेंगे और जनता को अपने पक्ष में मोड़ेंगे।

शेयर बाजार ने दूसरे दिन भी हाई बनाया

मुंबई , एजेंसी।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती के बाद शेयर बाजार ने आज लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 83,773 और निफ्टी ने 25,611 का लेवल छुआ। दरअसल फेडरल रिजर्व ने चार साल में पहली बार ब्याज दरों को घटाया है। उम्मीद की जा रही थी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती करेगा, लेकिन उसने उम्मीद से ज्यादा ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती का ऐलान किया है। इससे बाजार को सपोर्ट मिला है।

बिहार में दबंगों ने दलित बस्ती के 80 घर जलाए

नवादा , एजेंसी।

बिहार के नवादा जिले में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी इससे करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। हालांकि पुलिस का कहना है कि 20 घर ही आग में जले हैं और इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। इस मामले में पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है. वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना पर नीतीश सरकार को घेरा है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ननौरा के पास स्थित कृष्णा नगर दलित बस्ती की है। यहां दो पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसको लेकर बीती रात दबंगों ने दलित परिवारों के साथ मारपीट की थी और फिर हवाई फायरिंग के बाद उनके घरों को आग के हवाले कर दिया।

पहला टेस्ट: रोहित, विराट व गिल हुए नाकाम

चैन्नई, एजेंसी।

आज से भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरु हो गई। चेन्नई में पहले टेस्ट में ऋषभ पंत ने भारतीय टेस्ट सेटअप में वापसी की। हालांकि पहले सत्र भारत के लिये झटकेवाला रहा। लंच तक भारत ने तीन विकेट गंवाकर 88 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल 37 रन और ऋषभ पंत 33 रन बनाकर क्रीज पर थे। एक वक्त भारत ने 34 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली छह-छह रन बनाकर आउट हुए। वहीं, शुभमन गिल खाता भी नहीं खोल सके थे।

फिर हुए पेजर धमाके से 32 मौतें ईरान ने कहा बदला लिया जाएगा

बेरूत , एजेंसी।

लेबनान की राजधानी बेरूत के साथ कई शहरों में लगातार दूसरे दिन भी धमाके हुए हैं, इस बार भी ब्लास्ट के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल किया। इसमें कम से कम 20 लोग मारे गए और 450 से ज्यादा घायल हो गए। एक दिन पहले हजारों पेजर विस्फोट में कम से कम 12 लोग मारे गए थे और 2,800 से ज्यादा घायल हुए थे। इस तरह 2 दिन में लेबनान में 32 लोगों की जान चली गई। उधर नाराज ईरान ने कहा है कि वह लेबनान में घायल राजदूत मोजतबा अमानी का बदला लेगा। उसके पास इस तरह के अपराधों का जवाब देने के लिए जरूरी कदम उठाने का अधिकार है।

बताया जाता है कि लेबनान में ईरान के समर्थन वाले संगठन हिजबुल्लाह के लड़ाके एक-दूसरे से बातचीत के लिए पेजर और वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल करते हैं। हिजबुल्लाह ने इन हमलों के पीछे इजराइल का हाथ बताया है। यूएन सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को आपात बैठक बुलाई है। लेबनान में पेजर धमाके में ईरान के राजदूत मोजतबा की एक आंख खराब हो गई और दूसरी आंख में भी चोट लगी है। उधर वॉकी टॉकी बनाने वाली जापानी कंपनी आईकॉम इंक ने लेबनान में जिस मॉडल के वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल हो रहा था उसका प्रोडक्शन 10 साल पहले ही बंद हो गया था।

मेट्रो एंकर तीन भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने का मिशन

गगनयान पर आस्ट्रेलिया के आईलैंड से नजर रखेगा इसरो, ट्रैकिंग स्टेशन बनाएगा

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लॉन्च के बाद 24×7 इस पर नजर रखने के लिए इसरो ने ऑस्ट्रेलिया के पास मौजूद कोकोस (कीलिंग) आइलैंड पर अस्थाई ट्रैकिंग बेस बनाने का निर्णय लिया है। भारतीय वैज्ञानिकों की टीम इस द्वीप का दौरा कर चुकी है साथ ही यह भी कहा है कि ये जगह ग्राउंड ट्रैकिंग स्टेशन बनाने के लिए एकदम परफेक्ट है। यह जानकारी ऑस्ट्रेलियन स्पेस एजेंसी के प्रमुख एनरिको पालेर्मो ने एक अंग्रेजी अखबार को दी है। । इस मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किलोमीटर की कक्षा में भेजा जाएगा जिसके तीन दिन बाद उन्हें वापस आना होगा। कुछसमय पहले पीएम ने भी इनसे मुलाकात की थी।

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो इस मिशन की तैयारी के लिए लगातार परीक्षण कर रही ह। इसरो के मुताबिक एक टेस्ट फ्लाइट रोबोट को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा और इसके बाद 2025 में अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाया जाएगा।

इधर कोकोस (कीलिंग) आइलैंड पर ट्रैकिंग के लिए जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस काम में ऑस्ट्रेलिया भी आगे बढ़कर भारत की मदद कर रहा है। क्योंकि यहां से गगनयान की ट्रैजेक्टरी पर पूरी नजर रखी जा सकती है। टेलीमेट्री और कंट्रोल्स को नियंत्रित किया जा सकता है। खबरों के मुतबिक ऑस्ट्रेलियाई स्पेस एजेंसी इसरो के साथ इस मिशन में जुड़ना चाहती है। कुछ भी गड़बड़ होगा या एस्ट्रोनॉट को मिशन अबॉर्ट करना पड़ा या क्रू रिकवरी हुई तो भारतीय वैज्ञानिकों के साथ खड़े रहेंगे. ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा से थोड़ा बाहर हिंद महासागर में मौजूद 27 छोटे कोरल द्वीपों का समूह है। इनमें से सिर्फ दो द्वीप वेस्ट आइलैंड और होम आइलैंड पर लोग रहते हैं। यहां करीब 600 लोग हैं, जो कोकोस मलय कहलाते हैं. ज्यादातर सुन्नी मुसलमान हैं। लेकिन मलय भाषा बोलते हैं। इस द्वीप का सारा रख-रखाव ऑस्ट्रेलियाई सरकार करती है। इसरो चीफ डॉ. सोमनाथ ने कुछ समय पहले कहा था कि गगनयान मिशन के लिए इसरो पहले रिले सैटेलाइट्स लॉन्च करेगा. ताकि पृथ्वी के चारों तरफ से गगनयान से संपर्क किया जा सके. उस पर नजर रखी जा सके।

पितृपक्षः घाटों पर तर्पण

भोपाल, दोपहर मेट्रो। श्राद्धपक्ष की शुरुआत हो गई है। तर्पण कराने के लिए श्रद्धालुओं का सुबह से ही घाटों पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। शीतलदास की बगिया सहित शहर में घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्राद्धकर्म और तर्पण कर पितरों की आत्मशांति के लिए प्रार्थना की। पितृपक्ष के दूसरे दिन गुरुवार को द्वितीया श्राद्ध होगा। जिन पूर्वजों की मृत्यु द्वितीया तिथि पर हुई है, उनके लिए जलाशयों के घाटों पर श्राद्धकर्म और तर्पण किया जाएगा। बदलते वक्त के साथ अब युवा पंडित भी घाटों पर तर्पण के साथ-साथ ऑनलाइन तर्पण कराने लगे हैं। इसके अलावा लेपटॉप वेबकैम, गूगल मीट, जूम सहित अन्य माध्यमों से ऑनलाइन तर्पण और श्राद्धकर्म भी कराए जा रहे हैं।

आरजीपीवी के दैवेभो कर्मचारी हड़ताल पर बैठे, कामकाज ठप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विनियमित करने, दैवेभो एवं स्थाईकर्मियों की सेवाकाल में मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को नियुक्ति देने सहित 8 सूत्रीय मांगों को लेकर नाराज राजीव गांधी विवि के दैनिक वेतन भोगी (दैवेभो) कर्मचारी हड़ताल पर बैठ गए हैं। कर्मचारियों ने इस दौरान कामकाज बंद कर दिया। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि लिखित आश्वासन देने के बाद भी रजिस्ट्रार ने संबंधित मांगों के आदेश जारी नहीं किए हैं। इसलिए कर्मचारियों को फिर से भूख हड़ताल पर बैठना पड़ रहा है। पांडे ने कहा कि विवि के कर्मचारियों में असंतोष है। यह कर्मचारी पिछले माह भी हड़ताल पर चले गए थे, विवि के रजिस्ट्रार डॉ. मोहन सेन द्वारा चार मांगें मानने और 30 अगस्त तक आदेश जारी करने का लिखित आश्वासन देने के बाद मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि समिति ने हड़ताल स्थगित की थी।

कार्यक्रम : केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित

भोपाल। आईसीएआर-केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के निदेशक डॉ. सी.आर. मेहता ने हिन्दी पखवाड़ा उत्सव का शुभारंभ किया। संस्थान के कर्मचारियों के लिए हिन्दी रंगोली प्रतियोगिता एवं हिन्दी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। डा. मेहता ने 28 सितंबर तक आयोजित उत्सव की शुभकामनाएं देते हुए संस्थान के सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग में अर्जित की गई आशातीत प्रगति की सराहना की। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भारत सरकार के वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम में हिन्दी कार्यान्वयन हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सार्थक प्रयास जारी रखने का आह्वान भी किया। पखवाड़ा आयोजन समिति की अध्यक्षा डॉ. नीता खांडेकर, प्रभारी, सीईएसपीयू ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक यादव ने भी अपने विचार साझा किए।

... तो सदस्यता अभियान में फंस गई तबादला नीति

प्रदेश के कर्मचारियों के बीच यही चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर भाजपा की चुप्पी से पहले ही नाराज प्रदेश के कर्मचारी तबादला नीति अटकने से और नाराज हो गए हैं। इसकी वजह भाजपा के सदस्यता अभियान को बताया जा रहा है। कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग में इस बात की चर्चा है कि उनके तबादले के लिए आने वाली नीति भाजपा के वर्तमान में चल रहे सदस्यता अभियान के चलते फंस गई है। माना जा रहा है कि इस समय तबादला नीति जारी की जाती है तो प्रभारी मंत्रियों के पास काम बढ़ जाएगा और इस तरह सदस्यता अभियान प्रभावित होना तय है इसके चलते नीति को होल्ड कर दिया है। कर्मचारी संगठनों के कुछ प्रमुख नेताओं ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि भाजपा अपना फायदा देखना चाहती है, इसके चलते उसे दूसरे क्षेत्र के लोगों की समस्याएं

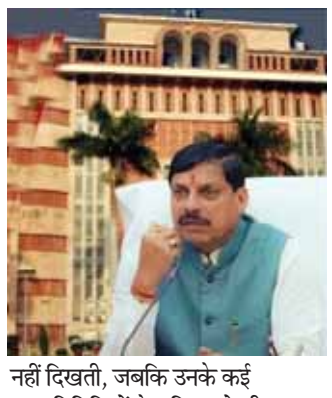

नहीं दिखती, जबकि उनके कई जनप्रतिनिधियों के परिवार से भी कर्मचारी आते हैं, जिन्हें किस तरह से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, यह बात वे भलीभांति जानते हैं लेकिन पहले मंत्रियों को जिलों का प्रभार नहीं सौंपने और अब सदस्यता अभियान को देखते हुए नीति अटका दी। यह ठीक बात नहीं है। कर्मचारियों का अहित भविष्य में याद रखा जाने वाला विषय है। असल में कर्मचारी तबादला नीति के लंबे समय से आने का इंतजार है। इसके पीछे की की वजह हजारों कर्मचारियों द्वारा तबादले की मांग है जो कि लंबे समय से रही है। कई बार सरकार नीति जारी करती है और कर्मचारियों को तबादले के अवसर देती आई है। मोहन सरकार में यह अवसर अब तक नहीं मिला है। इस बात से कर्मचारी खपा है। उधर सामान्य प्रशासन विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि नीति तो तैयार है, उसमें तारीख ही बदलनी है, लेकिन जब तक उपर से आदेश न मिल जाए तब तक जारी करने का सवाल ही नहीं है। संबंधित अधिकारी का कहना है कि पहले लोकसभा चुनाव के कारण नीति अटकी रही। फिर कई बड़े काम आ गए, तब भी जारी करना संभव नहीं था। अब बारिश का दौर है, कई जिलों में हालत बिगड़ते रहे हैं। इन बातों पर भी ध्यान देना पड़ रहा है इसलिए देरी हुई है। हालांकि नीति के जारी होने की संभावना अभी बनी हुई है, क्योंकि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों पर कहीं न कहीं दबाव बना रहे हैं। प्रभारी मंत्री भी काम चाहते हैं, जो नीति के जारी होने के बाद मिलना स्वभाविक है।

संस्थान फाउंडेशन कोर्स में एंटी रैगिंग जागरूकता विषय शामिल करें

जागरूकता और रैगिंग की रोकथाम पर कार्यशाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में 'जागरूकता और रैगिंग की रोकथाम' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। विदिशा के अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय मेडिकल कॉलेज के फॉरेंसिक साइंस एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विवेक चौकसे ने व्याख्यान दिया। डॉ. चौकसे ने कहा कि मेडिकल के पाठ्यक्रम की ही तरह सभी संस्थानों को अपने फाउंडेशन कोर्स में एंटी रैगिंग जागरूकता विषय को शामिल करना चाहिए। डॉ. चौकसे ने कहा कि जागरूकता ही किसी भी शिक्षण संस्थान में रैगिंग की रोकथाम में सहायक हो सकती है। उन्होंने बताया कि मौखिक रूप से जूनियर छात्र से परिचय प्राप्त करना, लिखित रूप से अपने कार्य अथवा असाइनमेंट सौंपना, गाली देना, मारपीट करना, मानसिक प्रताड़ित करना, मारने के लिए हाथ उठाना, कोई कार्य करवाना, इत्यादि रैगिंग की श्रेणी में आता है। डॉ. चौकसे ने बताया कि संस्थान की दीवार पर छात्र-छात्राओं का नाम लिखना भी रैगिंग की श्रेणी में आता है। 09 में सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान के बाद यूजीसी और एमसीआई जैसी संस्थानों ने शिक्षण संस्थानों के लिए एंटी रैगिंग कमेटी बनाया जाना अनिवार्य किया है जिसमें शिक्षक, कर्मचारी, छात्र, बाह्य सदस्य हो सकते हैं। कुल सचिव प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि परिचय प्राप्त करने का विकृत स्वरूप ही रैगिंग है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में तो नवागत का स्वागत मिष्ठान या उपहार से किया जाता है ।

राहुल पर टिप्पणी के खिलाफ युकां ने पूरे प्रदेश में किया पुतला दहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक एवं अशोभनीय टिप्पणी करने के खिलाफ प्रदेश यूंका अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह के निर्देश पर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री रघुराज सिंह एवं शिवसेना नेता संजय गायकवाड का युवा कांग्रेस ने प्रदेश व्यापी पुतला दहन कर एफआईआर की मांग की। मितेन्द्र सिंह ने कहा की नई-नई शाखा में भर्ती हुए बिट्टू अपना नंबर बढ़ाने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी और उनके समर्थित दल निरंतर राहुल गांधी पर सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए अनर्गल बयान बाजी करते आ रहे हैं।

स्वास्थ्य शिविर में चार और डॉक्टरों ने भी सेवाएं देने की सहमति दी

संतनगर. संत हिरदाराम साहिब जी की 119वीं जयन्ती पर सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा शुक्रवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जायेगा । यह शिविर जीव सेवा संस्थान के सहयोग से साधू वासवानी स्कूल में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक लगाया जायेगा । शिविर में चार अन्य डॉक्टरों यूरोलॉजी के डॉ. सी.पी. देवानी और डॉ. सुधीर लोकवानी, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप चोटरानी और जनरल सर्जन डॉ. अनिल गर्ग ने भी अपनी निःशुल्क सेवाएं देने की सहमति दी है। इन्हें मिलाकर विभिन्न बीमारियों के अब कुल 16 चिकित्सा विशेषज्ञ शिविर में उपलब्ध रहेंगे । शिविर में आने वाले डॉक्टरों में जनरल फिजिशियन डॉ. सुरेश भम्भानी, डॉ. जी.टी. खेमचंदानी, डॉ. प्रीति मोतियानी, और डॉ. टी.के. ज्ञानचंदानी, नाक कान गला के डॉ. अनिल जैन और डॉ. अंचल जैन रोगियों की जांच और परामर्श देंगे । ईको कॉर्डियोग्राफी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. दीपक झांगियानी द्वारा की जायेगी । हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील आसवानी, पैथालॉजिस्ट डॉ. समीर सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. कोमल दासवानी और डॉ. रोशनी ज्ञानचंदानी तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति बम्हाने के नाम शामिल हैं ।

सिंधी पंचायत ने समाजसेवी वासवानी को याद किया

पंचायत संस्थापक की सातवीं पुण्यतिथि मनाई

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

समाजसेवी व पूज्य सिंधी पंचायत के संस्थापक श्री मोटूमल वासवानी की सातवी पुण्यतिथि पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में मनाई गई। पंचायत सदस्यों ने वासवानी के छायाचित्र पर पुष्प भेट कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने स्व मोटूमल वासवानी की कार्य कुशलता पर प्रकाश डालते हुए उन्हे महान व्यक्तित्व का धनी बताया। वही इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नरेश ज्ञानचंदानी ने कहा कि स्व वासवानी को परमहंस संत हिरदाराम साहिब के परम श्रद्धालु बताते हुए निःस्वार्थ सेवा में निरुपणए गौ माता व पशु पक्षियों की सेवा के साथ पंचायत व जन सेवा में कर्मठ कार्यकर्ता तथा दयावान तथा हरदिल अजीज बताया जिसे कभी भुलाया नही जा सकता। पार्षद अशोक मारण ने स्व वासवानी को गुणवान नेक इंसान बताया उनके चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके सुपुत्र सुरेश वासवानी भी अपने पिता के पथ पर चलकर प्रेरणा जागृत कर रहे है। इस अवसर पर पंचायत कार्यवाहक अध्यक्ष भरत आसवानी, उपाध्यक्ष नंद दादलानी, जगदीश आसवानीए कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानीए सह कोषाध्यक्ष माधव पारदासानी, उप ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, भाजपा नेता राम बसंल, राहुल राजपूत, राज मनवानी, महेश खटवानी ने भी स्व मोटूमल वासवानी के सेवा कार्यो की सराहना की।

मेट्रो एंकर गर्ल्ड कॉलेज में कार्यशाला, नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम आयोजित

व्यावसायिक रिज्यूम तैयार करना सीखा छात्राओं ने

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल एवं आइसीएफआई बिजनेस स्कूलए जयपुर ने राइटिंग विनिंग रिज्यूम विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को एक प्रभावशाली और व्यावसायिक रिज्यूम तैयार करने में सहायता प्रदान करना था जो उन्हें रोजगार और कैरियर निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ रचना राठौर अध्यक्ष आइसीएफआई बिजनेस स्कूल जयपुर उपस्थित थी। प्रचार्या डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक समय में जो छात्राएं कठिन परिश्रम करेंगी निश्चित रूप से उनका भविष्य सुंदर एवं सफल होगा वर्तमान में आपका एक.एक क्षण कीमती है जिसे आप अपने कौशल विकास के लिए प्रयोग करें। हमारा प्रयास है कि छात्राएं भविष्य के लिए तैयार हो। यह कार्यशाला छात्राओं को अपनी योग्यताओं और कौशल को सही ढंग से प्रस्तुत करने में मदद करेगी। डॉ अर्चना राठौर ने बताया कि रिज्यूम राइटिंग सर्वप्रथम उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है। व्यावसायिक कौशलए शैक्षणिक योग्यताएंए व्यावसायिक अनुभवए भाषा प्रवीणताए अन्य उपलब्धियां तथा व्यक्तिगत विवरण के बारे में बताया। इसी के साथ फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में डिजिटल असेसमेंट टूल्स और तकनीक विषय पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ अर्चना राठौर ने डिजिटल असेसमेंट के विभिन्न उपकरणों और तकनीकों का उपयोग सिखाया, जो न केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए बल्कि व्यवसायीक जीवन में भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। कार्यशाला में ऑनलाइन असेसमेंट प्लेटफार्मए ऑटोमेटेड क्विज सिस्टम और इंटरैक्टिव टूल्स जैसे प्रमुख डिजिटल टूल्स का परिचय दिया गया। उन्होंने छात्राओं के सीखने की गति बढ़ाने के लिए विभिन्न मल्टीमीडिया टूल्स के उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। इन टूल्स में सिमुलेशन गेम्सए फीडबैक मैकेनिज्म और एए आरध्वि आर लैब्स शामिल हैं जो सीखने को अधिक इंटरैक्टिव और रोचक बना सकते हैं। सहयोगात्मक गतिविधियों और वीडियो प्रस्तुतियों को भी टीमवर्क और ज्ञान साझा करने को प्रोत्साहित करने के प्रभावी तरीकों के रूप में बताया। इसके अलावा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम्स पोल्स और क्विज टूल्स के उपयोग का उल्लेख किया गया जो छात्रों के लिए रीयल.टाइम आकलन और फीडबैक प्रदान कर सकते हैं।इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और डिजिटल असेसमेंट टूल्स के उपयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रश्न पूछे। उन्हें डिजिटल मूल्यांकन की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने और इसे अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के तरीकों के बारे में गहन जानकारी दी गई।

पीएसएससीआईवीइ में विशेष व्याख्यान

'कला का व्यावसायिक शिक्षा के साथ समावेश जरूरी'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित पीएसएस केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान(पीएसएससीआईवीई) में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। आर्ट इंटीग्रेटेड पेडागॉजी इन वोकेशनल एजुकेशन फॉर मिडिल स्टेज ऑफ एजुकेशन विषय आयोजित व्याख्यान संस्थान के 'एक्सटेंशन व्याख्यान श्रृंखला' के अंतर्गत आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. ज्योत्सना तिवारी, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष एजुकेशन इन आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स विभाग, एनसीईआरटी ने व्यावसायिक शिक्षा में कला और सौंदर्यशास्त्र के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। तिवारी ने कहा कि किस प्रकार से कला का व्यावसायिक शिक्षा के साथ समावेश विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास में योगदान कर सकता है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के विभिन्न प्रावधानों के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि एनईपी 2020 के तहत व्यावसायिक शिक्षा के लिए 100 घंटे का पाठ्यक्रम, शारीरिक शिक्षा के लिए 100 घंटे का समय निर्धारित किया गया है और स्कूलों में 10 बस्ता रहित दिवस की गाइडलाइन जारी की गई है। यह नीतिगत परिवर्तन विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने व्यावसायिक शिक्षा में कला और कौशल के एकीकृत होने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को नई दिशा प्रदान करेगी।

सत्यमेव जयते
मध्यप्रदेश शासन
देश में लहराता स्वच्छता का परचम
निरंतर बढ़ते प्रगति के कदम
स्वच्छता ही सेवा 2024
17 सितम्बर - 2 अक्टूबर 2024
स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की राष्ट्रपति
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
स्वच्छता मित्रों का
सम्मान समारोह
एवं
₹1692 करोड़ लागत की
इंदौर-उज्जैन 6 लेन सड़क निर्माण का
भूमिपूजन
मुख्य अतिथि
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की राष्ट्रपति
— गरिमामयी उपस्थिति —
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
19 सितम्बर 2024, प्रात: 9:30 बजे
होटल रुद्राक्ष, ग्राम डेंडिया, उज्जैन
D-11066/24
मुख्यमंत्री से जुड़ने के लिए स्कैन करें
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश शासन

संपादकीय

बल्डोजर पर ब्रेक

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में बुल्डोजर संस्कृति को लेकर एक बड़ा फैसला दिया है। जिसके तहत फिलहाल किसी आरोपी का मकान ध्वस्त करने पर रोक लगा दी गई है। अब तक यह होने लगा था कि किसी गैरकानूनी गतिविधि या अपराध का आरोप झेल रहे व्यक्ति के घर या अन्य निर्माण को बुलडोजर से ध्वस्त किये जा रहे थे। भाजपाशासित राज्यों में यह प्रवृत्ति ज्यादा बढ रही थी। ऐसा करने पर लगातार सवाल उठ रहे थे तथा ध्वसत किये जाने वाले मामले लगातार बढ रहे थे। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर कथित 'बुलडोजर न्याय' के मसले पर जो राय जाहिर की है, वह राज्य सरकारों और संबंधित महकमों के लिए विचार करने का विषय है। यह बड़ी विडंबना है कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध के आरोप में पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करने के बजाय अन्य कारणों का हवाला देकर उसका घर ढहा दिया जाए। दरअसल, पिछले कुछ समय से कुछ राज्यों में किसी व्यक्ति पर महज आरोप लगने के बाद उसके घर को बुलडोजर से ध्वस्त करना एक जरूरी कार्रवाई मान ली गई थी। जबकि ऐसी कार्रवाई को मनमाने तौर-तरीके और उसके महिमामंडन के रूप में देखा जा रहा था। इसी के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई का महिमामंडन बंद करने को कहा। हालांकि उप्र सरकार की ओर से महाधिवक्ता का कहना था कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया के तहत की गई। गौरतलब है कि बुलडोजर चलाने के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि एक व्यक्ति के सिर्फ आरोपी या यहां तक कि दोषी होने के बावजूद इस वजह से उसका घर नहीं गिराया जा सकता है। एक लोकतांत्रिक और कानून के शासन वाले देश में किसी एक शख्स की गलती की सजा उसके परिजनों को उसके घर को ध्वस्त करके नहीं दी जा सकती। ऐसी कार्रवाई कानून के शासन पर ही बुलडोजर चलाने जैसा होगा। संभव है कि किसी घर को अवैध निर्माण होने या अन्य तकनीकी आधार पर ध्वस्त किया गया हो, लेकिन अगर ऐसी कार्रवाई की तात्कालिक वजह आपराधिक कृत्य में आरोपी होना प्रतीत हो रही हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा। दूसरी बात यह भी है कि हाल में देखा जाने लगा है कि यदि किसी व्यक्ति पर कोई आरोप लगता है तो तत्काल ही उसके घर के निर्माण में विसंगति सामने आ जाती है वह भी कुछ घंटों में। जबकि उसी इलाके में भी कई घर पहले से बने होते हैं। इस मामले में उस संवेदनशील पहलू की अक्सर अनदेखी हो जाती है जिसमें आरोपी के परिवार के बच्चे या बुजुर्ग भी होते हैं। यदि परिवार के किसी व्यक्ति के गलत काम किया तो उसकी सजा अनायास ही पूरे परिवार को झेलनी पड जाती है। माना जा सकता है कि कोर्ट ने सभी पहलुओं पर ध्यान देकर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। दूसरी सुनवाई करते हुए कोर्ट ने ही एक अक्तूबर तक के लिए देश भर में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी है तथा यह भी कहा कि बिना उसकी अनुमति के एक भी निर्माण न ढहाया जाए। हालांकि यह आदेश सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ और किसी अनधिकृत निर्माण पर लागू नहीं होगा। जरूरी यह भी है कि यदि किसी का घर गलत है तो इसकी अनुमति देने वाली संस्थाओं पर भी सरकार का सख्त एक्शन हो, ताकि ऐसी गडबडियां न हो सकें।

बांग्लादेश का राजनीतिक संकट

आखिर क्यों परदेसी हाथों में खेल रहा है पड़ोसी मुल्क?

■ राजेश बादल

यह कैसी जम्हूरियत है? एक सरकार थी। चुनाव के जरिए चुनी गई थी। उसने अपने मुल्क को लोकतान्त्रिक ढंग से चलाने की शपथ भी ली थी। आप निर्वाचन के तरीके पर सवाल उठा सकते हैं, चुनाव में धांधली के आरोप लगा सकते हैं और विपक्ष के उत्पीड़न की बात भी कर सकते हैं। इसके बावजूद वहां शेख हसीना वाजेद की ऐसी हुकूमत थी,जो अल्पसंख्यकों को सुरक्षा की गारंटी देती थी। वह अपनी आजादी के आंदोलन में सहायता करने वाले देश से तमाम असहमतियों के बाद भी अच्छे संबंध बना कर रखती थी।निश्चित ही राष्ट्र के संवैधानिक ढांचे पर उसका नियंत्रण था। लेकिन आज हिन्दुस्तान अपने प्रिय पड़ोसी देश में क्या देख रहा है? वहां हड़बड़ी में सरकार के नाम पर काम चलाऊ व्यवस्था बनाई गई। एक ऐसी सरकार चल रही है,जो संवैधानिक आधार पर नहीं चुनी गई, जिसने बिना चुनाव कराए ही पूर्णकालिक सरकार की तरह बरताव शुरू कर दिया है।

इस सरकार में बैठे लोग ऐसे ऐसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय ले रहे हैं, जिनको लागू करना किसी निर्वाचित सरकार के लिए भी आसान नहीं होता। क्या यह नैतिक और संवैधानिक धरातल पर उचित है कि सरकार चला रहा एक झुण्ड बिना जनादेश लिए इतने महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसले ले? इस घटनाक्रम का क्या अर्थ लगाया जाए खासतौर पर उन स्थितियों में जबकि सारे फैसले भारत विरोधी हो रहे हों। यहां तक कि जिन आधारों पर देश का गठन हुआ, उन आधारों को ही बदलने का काम शुरू हो गया है। जिस सैनिक शासन ने कभी शेख मुजीब को पाकिस्तान की सत्ता नहीं संभालने दी ,अब वैसा ही सैनिक शासन संविधान बदलने की राह पर चल पड़ा है।बांग्ला पहचान के नाम पर वहां के स्वाधीनता सैनानियों ने पश्चिमी पाकिस्तान से जंग ल?ी,लाखों लोग मारे गए , हजारों महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया और उनकी नृशंस हत्या कर दी गई ,अब उन्ही आततायियों के समर्थन से मुल्क में सरकार चल रही है। क्या यह देश भूल गया है कि सारे संसार को मातृभाषा दिवस दिलाने का काम बांग्लादेश के छात्रों ने किया था।

कहानी यह थी कि पाकिस्तान के हुक्मरान बांग्ला भाषा को हिन्दू संस्कृति से जोड़कर देखते थे। इस कारण वे पूर्वी पाकिस्तान से बांग्ला भाषा का नामोनिशान मिटा देना चाहते थे और उर्दू थोपना चाहते थे। लेकिन वहां के लोग बांग्ला संस्कृति को नहीं छोड़ना चाहते थे। विरोध में ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने 21 फरवरी 1952 को बांग्ला भाषा के समर्थन में प्रदर्शन किया। उन पर पाकिस्तानी सेना ने गोलियां बरसाईं। इसमें सोलह छात्र मारे गए थे। इसके बाद यूनेस्को ने 1999 में मातृभाषा के लिए कुर्बानी देने वाले छात्रों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का ऐलान किया था।इधर, अब उसी बांग्ला भाषा को हटाने पर काम चल रहा है। यानी अब वही हो रहा है ,जो पाकिस्तानी फौजी सत्ता 1952 में चाहती थी।

विडंबना है कि वे अब अपने राष्ट्रगान को भी बदलना चाहते हैं, क्योंकि वह एक भारतीय गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा था।?ाहिर है सत्ता पलटने की यह साजिश शेख हसीना के विरुद्ध नहीं ,बल्कि भारत के विरुद्ध थी। तनिक अंतरराष्ट्रीय अतीत को टटोलें तो स्पष्ट हो जाता है कि भारत के विभाजन के बाद से ही पाकिस्तान पर अमेरिका का वरदहस्त रहा है। उसने पाकिस्तान को कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया। इसी तरह इस मुल्क पर चीन ने अपना प्रभाव बनाकर रखा। उन दिनों शीत युद्ध की स्थिति में अमेरिका बनाम सोवियत संघ की स्थिति बनी हुई थी। जब सोवियत संघ का विखंडन हो गया और धीरे-धीरे चीन महाशक्ति के रूप में उभरा तो फिर यह अमेरिका बनाम चीन हो गया। हालांकि सोवियत संघ के विखंडन के बाद रूस की ताकत भी कम नहीं थी,इसलिए अमेरिका बीते तीन दशक से गंभीर प्रयास कर रहा है कि रूस और चीन पर नजर रखने के लिए अपना सैनिक अड्डा भारतीय उप महाद्वीप में कायम करे। इसके लिए उसने सबसे पहले पाकिस्तान को चुना , किन्तु चीन के असर से पाकिस्तान ऐसा नहीं कर सका।

यह प्रस्ताव उसने इमरान खान के प्रधानमंत्री रहते किया था मगर इमरान ने भी मना कर दिया।आपको याद होगा कि सत्ता से हटाए जाने के बाद ही इमरान खान ने बयान दिया था कि उनकी सरकार अमेरिका के इशारे पर गिराई गई है। उन्हें जेल में डालने का काम भी अमेरिका के इशारे पर हुआ है।यह बात छिपी नहीं है। उसने तो भारत पर डोरे डाले थे । यूपीए सरकार के दरम्यान हुआ परमाणु समझौता इस दिशा में भारत को ललचाने वाला कदम माना जा सकता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के चलते यहाँ भी उसकी दाल नहीं गली। इसके बाद उसने नेपाल का रुख किया।जाहिर है कि भारत और चीन -दोनों ही इसके पक्ष में नहीं थे। इसलिए नेपाल से भी अमेरिका को निराशा लगी। इसके बाद ले देकर बांग्लादेश बचता था। अमेरिका ने शेख हसीना से सेंट मार्टिन द्वीप मांगा था पर,शेख हसीना ने इनकार कर दिया। उन्होंने अपनी सरकार गिरने के बाद कहा था- मैं सत्ता में बनी रह सकती थी,अगर मैंने सेंट मार्टिन की संप्रभुता को छोड़ दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में अपना रुतबा कायम करने दिया होता । आपको याद दिला दूं कि जब बांग्लादेश पाकिस्तान का हिस्सा था तो भारत की घेराबंदी करने के लिए फौजी तानाशाह जनरल अयूब खान ने इस द्वीप को अपने शासनकाल में अमेरिका को पट्टे पर दे दिया था। जब बांग्लादेश बना तो पट्टा समाप्त कर दिया गया। शेख हसीना के लिए वह मुश्किल घड़ी थी ,जब अमेरिका ने यह द्वीप फिर पट्टे पर मांग लिया था।

बांग्लादेश के शेख हसीना सरकार से भी मधुर संबंध थे और भारत के अलावा चीन से भी उसे अपनी परियोजनाओं के लिए मदद मिलती रही है। ऐसे में अमेरिका को खुश करने के लिए वह अपने दो बड़े पड़ोसियों-भारत और चीन से बैर मोल नहीं ले सकती थी। जब सीधी ऊंगली से घी नहीं निकला तो अमेरिका ने पाकिस्तान की सेना और आई एस आई की मदद ली।पाकिस्तान तो इसके लिए उतावला ही था। उसने एक तीर से दो निशाने कर लिए । एक तो बांग्लादेश में कट्टरपंथी सरकार बन गई ,जो इस्लाम का शासन स्थापित कर रही है और दूसरा भारत की पूर्वी सीमा पर अपनी घेराबंदी कर दी।

अब भारत के दक्षिण में श्रीलंका में चीन का हंबनटोटा बंदरगाह है ,पश्चिम में पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह उसके अधिकार में है ,उत्तर में वह स्वयं बैठा हुआ है और पूरब में उसकी कठपुतली पाकिस्तान के समर्थन वाली सरकार बांग्लादेश में आ गई। भारतीय विदेश नीति और कूटनीति के लिए यह घनघोर परीक्षा की घड़ी है। - साभार

सरकार के पास गुंजाइश है तेल की कीमतें घटाने की

■ सुषमा रामचंद्रन

करीबन एक साल पहले वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भविष्यवाणी की थी कि 2024 के अंत तक दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएंगी। इस पूर्वानुमान ने भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया था, जो कि तेल के बड़े आयातक हैं। परंतु उनकी किस्मत अच्छी रही कि यह पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। बल्कि, पिछले एक साल के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है और दाम का मानक 'ब्रेंट क्रूड' वर्तमान में 70-72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। यह बदलाव गंभीर भू-राजनीतिक संकटमयी माहौल के बावजूद है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म होने के आसार बहुत कम हैं।

तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर है बना हुआ है। पोलैंड, फ़िनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफ़ी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। व्यापारिक जहाजों के लिए इन समुद्री रास्तों से आना-जाना खतरनाक बना हुआ है, इनमें कई अब केप ऑफ गुड होप से होकर, लंबे और महंगे मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन फिर भी इससे उक्त क्षेत्र से होने वाली कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई -समुद्री और थलीय- दोनों मार्गों से उपभोक्ताओं तक पहुंचना जारी है।सी प्रकार कई अन्य कारक भी रहे, जिनके चलते पिछले वर्ष तेल की कीमतों में मंदी का रुख रहा। सबसे महत्वपूर्ण में एक है वैश्विक मांग में कमी, विशेषकर दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक चीन से। उसकी आर्थिक दिक्कतें जारी हैं क्योंकि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन लगातार चौथे महीने सिकुड़ा रहा। पिछले एक साल के दौरान उम्मीद जगी थी कि अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और रियल एस्टेट क्षेत्र मंदी से बाहर निकलेगा। परंतु ऐसा परिदृश्य अब दूर की कौड़ी लगता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां धीरे-धीरे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पीछे हट रही हैं, ऐसे देश से जिसका उत्पादन शेष दुनिया की खपत क्षमता से अधिक है। चीन ने वर्ष 2023 में 5.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की थी, लेकिन विश्व बैंक का अनुमान है कि 2024 में केवल 4.8 फीसदी ही छू पाएगी। धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था का परिणाम है तेल आयात में कटौती।

तेल कीमतों में नर्मी लाने वाला एक और कारक है अमेरिका के उत्पादन में वृद्धि, जो दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर उभरा है। वास्तव में, अनुमान है कि तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से इतर तेल उत्पादक मुल्क अपने उत्पादन में वृद्धि कर इस क्षेत्र में अग्रणी बने रहेंगे। इसके चलते, पिछले साल से ओपेक प्लस द्वारा संयुक्त उत्पादन में 2.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन स्वैच्छिक कटौती के असर की काफी हद तक भरपाई हो गई। पिछले सप्ताह इस कटौती को वापस लेने की उम्मीद थी, लेकिन बाजारों में लगातार मंदी के चलते, ओपेक कार्टेल ने कुछ और समय इसे जारी रखने का फैसला लिया। परंतु यह खबर भी कीमत वृद्धि करने में विफल रही, थोड़ी सी बढ़ी जरूर लेकिन फिर गिर गई, यह बाजार में अतिरिक्त उपलब्धता दर्शाता है।

तेल बाजारों में मंदी भारत के लिए एक वरदान के रूप में आई है, जो अपना 85 प्रतिशत से अधिक ईंधन विदेश से खरीदता है। फरवरी 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से, कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल प्राप्त कर पाया, जो उस साल रही ऊंची कीमतों के संकट से निबटने में मददगार रहा। हालिया गिरावट के रुझान का अर्थ है कि कच्चे तेल का जो मूल्य भारत ने अप्रैल में 89 डॉलर प्रति बैरल चुकाया, वह गिरकर वर्तमान में 72 डॉलर हो गया है। इस गिरावट का महत्व इस मोटे अनुमान से मापा जा सकता है कि तेल मूल्य में प्रति 10 डॉलर वृद्धि होने से चालू खाते के घाटे में 0.5 प्रतिशत का इजाफा हो जाता है। इस उत्साहजनक परिदृश्य में, सरकार के पास आम आदमी को कुछ राहत देने की खातिर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कटौती करने की गुंजाइश बन जाती है। इस साल के अंत में कई राज्यों में चुनाव होने हैं, इसलिए राजनीतिक रूप से भी यह एक व्यावहारिक कदम होगा। लोकसभा चुनाव से पहले, मार्च में भी इसी तरह का कदम उठाया गया था। लेकिन यह तथ्य है कि जब कभी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो आमतौर पर सरकारें तेल उत्पादों की कीमतें बढ़ाने में जरा देर नहीं करतीं, लेकिन जब मूल्य गिरते हैं तो शायद ही कभी उसी अनुपात में कम की जाती हैं। कीमतें गिराने का विरोध तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की ओर से भी होता है, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा दरों को यथावत रखने पर घाटा सहना पड़ता है। लेकिन मौजूदा स्थिति अलग है क्योंकि ओएमसी के पास भरपूर धन है, जिनका संयुक्त मुनाफा वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 81,000 करोड़ रुपये रहा। इनमें प्रमुख है, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड। निस्संदेह, तेल कंपनियों को इस बात की चिंता रहती है कि यदि विश्व बाजार में फिर से तेजी आती है तो उन्हें उत्पाद बिक्री पर अंडर-रिकवरी के साथ फिर से जूझना पड़ेगा। हालांकि, ऐसा होने की संभावना फिलहाल नज़र नहीं आती। उदाहरणार्थ, चीनी अर्थव्यवस्था की गिरी सेहत में निकट भविष्य में कोई महत्वपूर्ण सुधार होने की उम्मीद नहीं है, जो बताता है कि मांग में कमजोरी कुछ वक्त तक जारी रहेगी। दूसरी ओर, गैर-ओपेक तेल निर्यातकों का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। नतीजतन, वैश्विक निवेशक बैंक अपने मूल्य पूर्वानुमानों में त्वरित संशोधन कर रहे हैं। मॉर्गन स्टेनली ने तेल का मूल्य 2024 की अंतिम तिमाही में 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है, जबकि गोल्डमैन सैक्स ने कुछ सतर्कता बरतते हुए इसे 70-85 प्रति डॉलर बताया है। सिटी ग्रुप ने तो एक कदम आगे बढ़कर भविष्यवाणी की है कि 2025 में कच्चे तेल की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती है। दूसरे शब्दों में, तेल बाजारों में मध्यम अवधि में भी नरमी जारी रहने की उम्मीद है। एकमात्र परिदृश्य जिसमें कीमतों में उछाल आ सकता है, वह है यदि सम्पूर्ण पश्चिम एशिया युद्धग्रस्त हो जाए। इस तमाम पृष्ठभूमि में, लगता है कि घरेलू तेल कंपनियों के लिए पैट्रोल पंप स्तर की उपभोक्ता कीमतों में कटौती करने के लिए परिस्थितियां यथासंभव आदर्श हैं। भू-राजनीतिक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन यह माहौल जोखिम उठाने लायक है। - साभार

सत्य, जिसे हम सब इतनी
आसानी सेअपनी-अपनी तरफ़
मान लेते हैं, सदैव
विद्रोही सा रहा है।
-कुँवर नारायण

निशाना
हम भी करें प्रहार !

दो हमको अधिकार ।
लड़नी और लड़ाई ।।
करते आए, करना है ।
आप की भलाई ।।
दे दो इतनी सीटें ।
हम भी करें प्रहार ।।
और प्यार बरसा कर ।
पहनाओ फिर हार ।।
डाल रहे वो बाधा ।
करते जो भी काम ।।
वादा है निभाया ।
किए जो तमाम ।।
ना रूकना है हमको ।
यूं ही चलते जाना ।।
भले पूर्व में हमने ।
है भरा हर्जाना ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- 1936 गोताखोर मार्जोरी गेस्ट्रींग सबसे कम उम्र (13 वर्ष 268 दिन) के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बने।
- 1944 एक सप्ताह के बाद, वोला, वारसॉ, पोलैंड में नागरिकों की भेदभावपूर्ण हत्या के बाद, एसएस जनरल एरिच वॉन डेम बाच-ज़ेलेव्स्की ने आदेश दिया कि किसी भी शेष पोल को श्रम या एकाग्रता शिविरों में भेजा जाए।
- 1944 फालाइज पॉकेट की लड़ाई का आरम्भ हुआ।
- 1950 कोरियाई युद्ध-उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के सदस्यों ने युद्ध के अमेरिकी कैदियों को कैद कर लिया।
- 1952 मास्को में तेरह यहूदी कवियों को झूठे कबूलनामे के लिए जासूसी के लिए फांसी दी गई।
- 1955 जर्मनी के विख्यात उपन्यासकार थॉमस मैन का निधन हुआ। उन्हें उनके द मैजिक माउन्टेन अर्थात जादुई पर्वत उपन्यास से बहुत ख्याति मिली।
- 1961 संयुक्त राज्य अमेरिका में संघीय समुद्री आयोग की स्थापना की गयी।
- 1964 आईओसी की शर्तों के कारण, अपनी %रंगभेदी नीतियों को ध्वस्त करने से इनकार सहित, दक्षिण अफ्रीका को टोक्यो में ओलंपिक खेलों से रोक दिया गया है। 28 साल के निलंबन के बाद भी 1992 में दक्षिण अफ्रीका को ओलंपिक में प्रवेश नहीं दिया गया था।
- 1969 डेरी के बोगसाइड क्षेत्र में दंगे भड़क उठे और उत्तरी आयरलैंड के पार फैल गए।
- 1971 सीरिया ने सीमा पर हो रहे विवाद के कारण जॉर्डन के साथ राजनयिक संबंधों समाप्त किया।
- 1972 तेल टैंकरों ओसवेगा गार्जियन और टेक्सानिटा स्टिलबाई, दक्षिण अफ्रीका के पास आपस में टकराए।
- 1981 आईबीएम पर्सनल कंप्यूटर, मूल संस्करण और आईबीएम पीसी संगत हार्डवेयर मंच के पूर्वज को पेश किया गया था।
- 1981 आईबीएम ने अपना पहला पर्सनल कंप्यूटर पेश किया जिसकी कीमत 16 हजार डॉलर रखी गई थी।

नगर परिषद बनखेडी में स्वच्छता का संदेश देने के लिए छात्राओं ने साइकिल रैली निकाली

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नगर परिषद बनखेड़ी द्वारा स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवाड़े के अंतर्गत बुधवार 18 सितबंर को शासकीय कन्या हाई सेकेंडरी स्कूल बनखेड़ी में छात्राओ को स्वच्छता स्वभाव संस्कार थीम अंतर्गत निकाय पार्षद श्रीमती नीतू पांडे द्वारा बालिकायों कों स्वच्छता बेच लगया गया। स्वच्छता के संदेश देते हुए छात्राओं ने नगर के मुख्य मार्गों पर साइकिल रैली निकाली गई। कार्यक्रम में नगर परिसद अध्यक्ष हरीश मालानी और राजस्व प्रभारी अरविन्द सराठे, गुलाब साहू, स्वछता प्रभारी मनोज परते, इरशाद खान समस्त निकाय कर्मचारी सहित स्कूल के शिक्षक, ब्लॉक खेल समन्वय देवेंद्र उरहा उपस्थिति थे। नगर परिषद अध्यक्ष और पार्षद द्वारा स्वच्छता के संबंध में जानकारी दी गई की छात्राओं कों परिवार में स्वछता की जागरूकता कों लाने हेतु प्रयास करना चाहिए। स्वच्छता पखवाडा के अंतर्गत आने बाले अयोजित कार्यक्रम के बारे में मुख्य नगर पालिका अधिकारी संतोष रघुवंशी द्वारा जानकारी दी गई।

सिवनी मालवा नगर के शिवराज पार्क में चला स्वच्छता अभियान

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका एवं जनपद पंचायत के सामूहिक तत्वाधान में शासन के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नगर पालिका के शिवराज पार्क में नागरिकों की स्वच्छता में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से श्रमदान, शपथ, हस्ताक्षर अभियान एवं सेल्फी प्वाइंट से जन जागरूकता अभियान चलाया गया एवं स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष रितेश जैन, पार्षदगण, समस्त जनप्रतिनिधि एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शीतल भलावी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रुति चौधरी सहित नगर पालिका के समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए दिया आवेदन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय पटेल द्वारा सिवनी मालवा थाने में पहुंचकर केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू एवं उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह के विरूद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई 7 विजय पटेल ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विरूद्ध दिनांक 15 सितम्बर, को केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने सार्वजनिक रूप से कहा कि राहुल गांधी देश के नंबर वन आंतकी है उनके विरूद्ध ईनाम घोषित होना चाहिए बिट्टू ने यह भी कहा कि वे हिन्दुस्तानी नहीं है उन्हें देश से प्रेम नहीं है तथा देश तोड़ने, बम व बारूद, गोले बनाने जैसे ट्रेनों व बसों को दुर्घटनाग्रस्त करने में उनका हाथ है, राहुल गांधी पर आतंकी होने का ईनाम घोषित होना चाहिए जबकि पूरा देश जानता है कि राहुल गांधी के पिता स्व. राजीव गांधी ने देश के लिए बलिदान दिया है उनकी दादी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश के लिए शहादत दी है तथा राहुल गांधी की रगो में उनका ही रक्त बह रहा है तथा वह सच्चे देश भक्त है। उनके प्रति अपशब्दों का

सार्वजनिक रूप से प्रयोग कर के उनका अपमान किया गया है।

इसी प्रकार दिनांक 16 सितम्बर को इंदौर में उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह ने सार्वजनिक रूप से राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष के प्रति अपशब्दों का प्रयोग कर उनका सार्वजनिक रूप से अपमान किया गया है उनके प्रति अनर्गल बयानबाजी कर देश में अशांति फैलाने का प्रयास किया गया है।

जल वन मिशन की सभी कलेक्टर्स स्वयं मॉनिटरिंग करें, उपयंत्री फील्ड में दिखे

निराश्रित गैवंशों के समाज के सहयोग से पुनर्वास की स्थाई व्यवस्था की जाए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित गोवंशों के पुनर्वास की स्थाई व्यवस्था की जाए। स्थाई व्यवस्था में समाज का सहयोग अनिवार्य रूप से लिया जाए। वर्तमान में नर्मदापुरम संभाग में 11.50 लाख गोवंश है, उसकी अपेक्षा गौशालाएं कम है। अतः सभी कलेक्टर समाज का आवश्यक सहयोग लेकर निराश्रित गोवंशों की स्थाई देखभाल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभागायुक्त के जी तिवारी ने गूगल मीट में सभी कलेक्टर्स को दिए। संभागायुक्त ने कहां की नर्मदापुरम संभाग मैं हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में संचालित जल वन मिशन के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग आवश्यक है। अतः सभी कलेक्टर स्वयं जल वन मिशन के तहत संचालित नल जल योजनाओं की मॉनिटरिंग करें। पीएचई के सब इंजीनियर ग्राम पंचायत स्तर पर जाकर नल जल योजनाएं सुचारू रूप से चलाएं। संभागायुक्त ने कहा कि वर्तमान में मुझे उपयंत्री फील्ड में दिखाई नहीं देते हैं और सब कुछ-कुछ लोगों की भरोसे छोड़ दिया गया है। संभागायुक्त ने जल वन मिशन में नर्मदापुरम संभाग के तीनों

संभागायुक्त ने गूगल मीट में कलेक्टर्स को दिए निर्देश

जिलों की वर्तमान स्थिति पर नाराजगी व्यक्ति की और कहां की नल जल योजनाओं को और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। साथ ही कहा कि बंद पड़ी नल जल योजना शुरू करना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। संभागायुक्त ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए की किसी भी विभाग में समयमान वेतनमान एवं क्रमौन्नती, बकाया स्वतवो का भुगतान की स्थिति लंबित ना रहे इस हेतु जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक अनिवार्य रूप से बुलाकर ऐसे प्रकरणों का निराकरण करें।

संभागायुक्त ने फसल गिरदावरी के कार्य के लिए गांव के युवकों को सर्वेयर नियुक्त करने के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि सभी जिलों में सर्वेयर तो नियुक्त हो गए हैं लेकिन सिर्फ बैतूल जिले में सर्वेयर से फसल गिरदावरी का कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए की हरदा और नर्मदापुरम जिले में भी सर्वेयर से फसल गिरदावरी के कार्य कराए जाएं। सभी स्कूलों में सार्थक एप या फेस आईडी मशीन से शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए की सभी बीईओ और बीआरसी मुख्यालय में ना बैठकर स्कूलों के भ्रमण पर रहे और स्कूलों में व्याप्त कमियों को दूर करें। संभागायुक्त ने सभी विभाग के अधिकारियों के लिए निर्देश जारी किये कि वह अपने कार्यालय आने वाले हितग्राहियों से सद्व्यवहार करें।

संभागायुक्त ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह स्थानीय स्वास्थ्य संस्थान सुरक्षा समिति एवं हिंसा रोकथाम समिति की बैठक अनिवार्य रूप से कर लें। एक पेड़ मां के नाम अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए की वर्तमान में बारिश के दौर को देखते हुए पौधारोपण का कार्य और तेज गति से किया जाए। उन्होंने अब तक हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया

स्वच्छता ही सेवा अभियानः महर्षि वाल्मिकी सब्जी मंडी परिसर में किया श्रमदान

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

महर्षि वाल्मीकि सब्जी मंडी परिसर से स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 का शुभारंभ श्रमदान करते हुए किया गया। श्रमदान अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, एसडीएम टी प्रतीक राव, तहसीलदार सुनीता साहनी, सीएमओ रितु मेहरा, सभापति राकेश जाधव, पार्षद मनीषा अग्रवाल, कीर्ति दुबे, जिमी कैथवास, कुंदन गौर, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, सोनू बिंद्रा, पार्षद प्रतिनिधि आशुतोष अग्रवाल, संजय दुबे सहित अन्य मौजूद थे।

यहां उन्होंने अग्रवाल भवन से लेकर मुख्य रोड और सब्जी मंडी में अंदर सफाई की और नागरिकों व सब्जी विक्रेताओं से निवेदन किया कि वे ग्राहकों को कपडे का थैला लाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने स्वच्छता रखने के लिए सभी को संकल्प दिलाया।

मीडियो से चर्चा में नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने शहर के नागरिकों से अपील कि वे अपने आसपास नगरपालिका के अलावा स्वयं भी सफाई कार्य को करें, इससे समाज में अच्छा संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक स्वच्छता को अपने जीवन में स्वयं नहीं उतारेंगे तब तक गंदगी साफ करना मुश्किल है। सभापति राकेश जाधव ने कहा कि नागरिक अपने आसपास खाली प्लाटों पर कचरा न फेंके और कचरा वाहन जब घर आता है तब उसमें कचरा डाले। सीएमओ रितु मेहरा ने कहा कि हम साल में दो घंटे सार्वजनिक स्थलों की सफाई के लिए निकालें और अन्य नागरिकों भी प्रेरित करें।

जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के सहायक ग्रेड-03 को किया गया निलंबित

नर्मदापुरम। जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग नर्मदापुरम के सहायक ग्रेड-3 श्री सुमित मालवीय को शासकीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर कर कार्यालय से अनुपस्थित रहने के संबंध में संभागीय उपायुक्त अनुसूचित जाति तथा जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम संभाग जेपी यादव द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री मालवीय का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी केसला नियत किया गया है तथा उनको नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

उल्लेखनीय है कि उपायुक्त द्वारा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग नर्मदापुरम कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर होने के बावजूद सहायक ग्रेड-3 सुमित मालवीय कार्यालय में उपस्थित नहीं पाये गये। श्री मालवीय को उपायुक्त द्वारा उनके दो मोबाइल नंबर पर कॉल किया गया लेकिन मोबाइल नंबर बंद पाया गया तथा निरीक्षण के दौरान यह भी संज्ञान में आया कि श्री मालवीय द्वारा लेखा, सी.एम. हेल्प लाइन तथा आई.टी. शाखा के प्रभारी लिपिक के सौपे गये दायित्वों का निर्वहन नियमानुसार नहीं किया जा रहा है एवं उक्त कार्यों में उनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही है।

जिला अस्पताल में हुआ जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

अब मिलने लगेगी लोगों को सस्ती दरों पर औषधियां

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर जिला चिकित्सालय में पीएम जन औषधि केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर से जिला चिकित्सालय में शुरू होने वाले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का वर्चुअल शुभारंभ किया। जिला जन औषधि केंद्र में 2000 प्रकार की दवाइयां एवं लगभग 300 प्रकार के सर्जिकल उत्पाद जन औषधि केंद्र से मिलेंगी। इस अवसर पर स्वच्छता अभियान के तहत जिला चिकित्सालय के समस्त सफाई मित्रों का चिकित्सक एवं स्टाफ द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिला चिकित्सालय में सांसद, नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया गया।

रेड क्रास सोसायटी करेगी संचालन

जन औषधि केंद्र का संचालन रेडक्रॉस सोसायटी करेगी। जन औषधि केंद्र पर गंभीर बीमारियों की दवा आसानी से उपलब्ध होंगी। इसमें एंटी कैंसर, एंटी डायबिटिक, कार्डियो वैस्कुलर दवा, मास्क, आर्थोपेडिक रिहैबिलिटेशन, सर्जिकल ड्रेसिंग, सीरिंज, सेनेटरी पेड, ऑक्सीमीटर सहित कई दवा और मेडिकल उत्पाद मिलेंगे।

इस पहल से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में कम मूल्य में उच्च गुणवत्ता वाली सभी प्रकार की लोगों को अब औषधि प्राप्त होगी इसका संचालन जिला रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | गांव में चौपाल लगाकर सुनी आदिवासियों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

वन ग्राम ढेकना और आमा कटारा का कमिश्नर ने किया दौरा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

संभाग आयुक्त ने मंगलवार को सिवनी मालवा तहसील के सुदूर आदिवासी अंचल के ग्राम ढेकना और आमा कटारा का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने दोनो ग्रामों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। ग्राम ढेकना जो वर्तमान में वनग्राम है और शीघ्र ही राजस्व ग्राम में परिवर्तित होगा। ढेकना के ग्रामीणों ने संभागायुक्त को बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र समय पर खुलता है और बच्चों को समय पर पोषण आहार भी मिल रहा है। लेकिन ढेकना ग्राम के स्कूल मे एक मात्र शिक्षक है वो भी दोपहर 12 से 01 बजे के बीच ही स्कूल आते है और सायं 4 बजे स्कूल बंद करके चले जाते है। स्कूल अतिथि शिक्षक के भरोसे चल रहा है। शिक्षक का कहना है कि उनके पास बीएलओ का चार्ज भी है इसलिए वे समय पर स्कूल नहीं आ पाते है। संभागायुक्त ने शिक्षक श्री तिवारी को बीएलओ के चार्ज से मुक्त करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन स्कूलों में एक मात्र शिक्षक पदस्थ है उनसे बीएलओ का कार्य नहीं लिया जाएगा।

ढेकना के ग्राम चौपाल में ग्रामीणों ने संभागायुक्त को बताया कि स्कूल के कई बच्चों का आधार मैपिंग ना होने के कारण उनके हिस्से का खाद्यान्न नहीं आता है, फिर भी अन्य बच्चों के साथ उन्हें एडजस्ट कर उन्हें मध्यान भोजन दिया जा रहा है। संभागायुक्त ने तहसीलदार राकेश खजुरिया को निर्देश दिए कि बच्चों की आधार मैपिंग कराए। उन्होंने सरपंच परसराम बारसकर को निर्देश दिए की वे समय-समय पर मध्यान भोजन की गुणवत्ता की जांच करते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम आरोग्य केंद्र में पर्याप्त उपचार नही मिल पाता है। ग्राम आरोग्य केंद्र उदासीन है इसलिए ग्रामीण एक झोला छाप डॉक्टर के पास अपना उपचार कराते है। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार आरोग्य केंद्र में जितनी भी प्रकार की जांच होनी चाहिए वे हो और जितनी प्रकार की दवाइयां मरीज को दी जाने चाहिए वे दी जाए। ग्रामीणों ने बताया की विधवा, विकलांग, वृद्धावस्था पेंशन पात्र व्यक्तियों को मिल रही है।

संभागायुक्त ने ग्राम ढेकना के निवासियों को बीमार होने पर आयुष्मान कार्ड का लाभ उठाने की समझाइश दी। बताया गया कि 1158 कार्ड बनाए गए है। संभागायुक्त ने बताया कि ग्राम ढेकना 26 जुलाई 2024 को वनग्राम से राजस्व ग्राम घोषित हुआ है, इस आशय का प्रकाशन राजपत्र में किया गया है। लेकिन अभी राजस्व ग्राम घोषित करने की सरकार द्वारा कार्यवाही की जा रही है। संभागायुक्त ने 18 वर्ष से अधिक के आयु के लोगों को अपना मतदाता परिचय पत्र बनवाने की समझाइश दी। संभागायुक्त ने बताया कि राजस्व ग्राम घोषित होने से ग्रामीणों के केवायसी बन जाएगी एवं ग्रामीण जिस जमीन पर रह रहे है उसमें वे सामूहिक दावा करके पटटा प्राप्त कर सकेंगे। सरपंच ने बताया कि खेल मैदान के लिए सामुदायिक दावा डाला था। संभागायुक्त ने बीट गार्ड एवं पंचायत सचिव को कुछ आपत्तियों का निराकरण करने के निर्देश दिए, और बताया कि आपत्ति दूर होने के बाद खेल मैदान के लिए जमीन दे दी जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि उनके आने जाने की बाउंड्री वन विभाग द्वारा सकरी किए जाने से उन्हें जंगल से लकड़ियां लाने, मवेशी चराने एवं आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पडता है। संभागायुक्त ने डीएफओ को उक्त समस्या के निराकरण करने के लिए निर्देश दिए। मौके पर ही ग्रामीणों ने संभागायुक्त को बताया कि ग्राम में बिजली की समस्या है। बिजली केबल हरदा से जुड़ी है आए दिन बिजली के तार टूटकर गिर जाते है। ग्रामीणों ने ढेकना ग्राम के पुराने नक्शे की मांग की तथा बताया कि कुछ व्यक्तियों के जमीन के पटटे में 001 एवं 002 दिख रहा है, पट्टे में त्रुटि है। संभागायुक्त ने पुराने नक्शे एवं पट्टे में त्रुटि सुधार कर उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

चौपाल में ग्रामीणों ने बताया कि ढेकना ग्राम पंचायत के अंतर्गत गीतखेडा, नोनिया, पलासी, चारखेडा, आमाकटारा आदि ग्राम एवं टोले आते है, लेकिन ग्राम ढेकना में नल जल योजना बंद है। पलासी एवं आमाकटारा में नल जल योजना सुचारू रूप से चालू है। संभागायुक्त ने बंद पडी नल जल योजना को पुन:शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों को डीएपी खाद की जगह एनपीके का उपयोग करने की समझाइश दी।

संभागायुक्त ने ग्राम आमाकटारा में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों से रूबरू चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि आमाकटारा का एप्रोच रोड खराब है, बारिश में जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। संभागायुक्त ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने, ग्रामीणों की ईकेवायसी आधार से लिंक करने, जमीन के पटटों का नामांतरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त ने आमाकटारा के निवासियों को बताया कि उनके ग्राम को राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने की कार्यवाही चल रही है। राजस्व ग्राम बन जाने से आमा कटारा में कई सुविधाएं ग्रामीणों को मिलेगी।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के लिए निकली कलश यात्रा

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

बुधवार से ग्राम गोपालनगर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ हो गई है ।जिसके लिए दोपहर 12 बजें से कलश यात्रा प्रारंभ होकर गांव के प्रमुख मार्गो से होते हुए गांव की प्राचीन नदी पर पहुंची। नदी के घाट पर पंडित देवराज शर्मा ने मुख्य यजमान रामबाबू शर्मा को दशमेश विधि से स्नान कराया इसके उपरांत श्रीमद् भागवत कथा एवं कलशों की पूजा अर्चना हुए फिर कलश यात्रा शंख - झालर एवं ढोल नगाड़ों के साथ कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में गांव की कन्याएं और महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर चल रही थी पुरूष अपने हाथों में ध्वज-निशान लेकर चल रहे थे। कथा के मुख्य यजमान रामबाबू शर्मा अपने सिर पर कथा रखकर सबसे आगे चल रही थी। , कथा व्यास तरुण महाराज के द्वारा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक संगीतमय कथा का रसपान श्रोताओं को 7 दिनों तक कराएंगे।

स्वभाव, स्वच्छता, संस्कार अभियान के तहत चाठोली में हुआ कार्यक्रम आयोजित

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

शहर के साथ गांवों को स्वच्छ सुन्दर बनाने एवं आम जनमानस को शुद्ध वातावरण व शासन का लाभ दिलवाने या फिर गांव में वृक्षारोपण,, सफाई अभियान सहित कई कार्यक्रम जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सर्व धर्म जन कल्याण सेवा समिति के द्वारा ग्राम चाठोली, बमुलिया, बगरोदा आदि प्रस्फुटन गावों में बैठक कर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। ग्राम चाठोली में प्रस्फुटन समिति के साथ बैठक कर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया एवं स्वच्छ, संस्कार और सद्भाव स्थापित हो इस अभियान के तहत गांव के सार्वजनिक मंदिर पर सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक चरण सिंह दांगी ने कहा कि स्वच्छ, सद्भाव और संस्कार स्थापित करना ही मुख्य उद्देश्य है, और यही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर गावों में इस तरह का अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव में पहुंचकर हम लोगों को जागरूक करेंगे गांव के लोगों को भी इसमें सहभागी होकर बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर संस्था प्रभारी प्रमोद रघुवंशी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से आवाह्न कर लोगों को अपने आसपास साफ सफाई के साथ स्वच्छ वातावरण एवं मानसिक रूप से अपने आप को बदलने का संदेश दिया है। उनके आवाह्न पर आज गांव एवं शहरों में विशेष सफाई अभियान स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे कि लोगों में जागरूकता आए। वहीं उन्होंने कहा कि स्वच्छता पखवाड़े के बाद 2 अक्टूबर को बड़े स्तर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

हिंदू बंटेंगे तो कटेंगे, संगठित होंगे तो बचेंगे:उमाकांत शर्मा

श्रीनाथ भगवान की नयनाभिराम झांकी देखने उमड़े श्रद्धालु, निकला चल समारोह

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार की रात्रि में 9 बजे के करीब भव्य चल समारोह प्रारंभ हुआ । मनमोहक झांकियां देखने के लिए नगर के अलावा ग्रामीण अंचलों से भी बड़ी संख्या में भक्ति जन सुंदर मनमोहक दृश्य देखने के लिए मौजूद थे। पूरे भक्ति भाव के साथ झांकियां का चल समारोह निकाला रात भर झांकियां के चल समारोह की धूम रही।वहीं श्री चंद मोहन शर्मा स्मृतिगर से गणेश उत्सव का चल समारोह प्रारंभ हुआ जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुएं हाजीपुर गेट पर पहुंचकर संपन्न हुआ इसके बाद प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए केथन डेम लेकर श्रद्धालु पहुंचे जहां पर पूजा अर्चना के बाद विसर्जन किया गया वहीं चल समारोह में गणेश उत्सव समिति के संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान , अफगानिस्तान जैसे हालात यहां उत्पन्न ना हो इसके लिए सभी हिंदुओं को संगठित होना होगा यदि हिंदू बाटेंगे तो काटेंगे भी उन्होंने सभी को संगठित होकर मंदिरों स्वयं तथा समाज की रक्षा करने के लिए भी प्रेरित किया । इस बार चल समारोह में भगवान श्रीनाथ जी सरकार की नयनाभिराम झांकी दर्शन सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही इसके अलावा पारंपरिक लोककलाओं,लोकनृत्य,आखड़ो के कलाकारों ने अपने कर्तव्य भी दिखाए वहीं पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की झलक भी तस्वीर के रूप में दिखाई दे रही थी। विगत

दस दिनों से गणेश मंदिर गणेश की अंथाई चल रहे गणेशोत्सव का समापन भोरकाल में श्री गणेश जी की प्रतिमा के विसर्जन के साथ हुआ। इसके पूर्व प्रशासन द्वारा केथन बांध पर बनाए गए विसर्जन घाट पर समिति के संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा तथा समिति के वरिष्ठ सदस्यों ने भगवान गणेश की विदाई बेला में पूजा अर्चना एवं आरती उतारी।

केसरिया ध्वज से की जा रही थी अगवानी

चल समारोह में सबसे आगे पगड़ी बांध केसरिया ध्वज थामे युवाओं के दल के बाद पहलवानों द्वारा अखाड़े का प्रदर्शन किया जा रहा था। इसके बाद देशी ढपलो की थाप पर दुलदुल घोड़ी का नृत्य लोगो को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। इसके बाद भगवान गणेश का मनभावन डोले को सजाया गया था। चलसमारोह में टैक्टर ट्राली में सजाए गए मंच कीर्तन मंडली भजन एवं लोकगायन किंगड़ी के कलाकारों की टीम नचाते हुए लोक कला का प्रदर्शन कर रही थी। इसके उपरांत एक वाहन में गणेश उत्सव को भव्यता देने वाले पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र को तथा उसके पीछे गणेश की अंथाई में विराजे गए गणेश की प्रतिमा को फूलों के श्रंगार के साथ सजाया गया था। चल समारोह का मुख्य आकर्षण का केंद्र भगवान श्रीनाथ जी के मनमोहक श्रृंगार की झांकी रही जिसमे बाल कलाकारों द्वारा सुंदर नृत्य की प्रस्तुतियां दी जा रही थी।

कुरवाई मार्ग स्थित श्री चंद्रमोहन सभागार से प्रारंभ हुए चलसमारोह की झिलमिलाती झांकियो को देखने के लिए पूरे मार्ग पर नगरवासियों की भीड़ उमड़ती दिखाई दी। चल समारोह कठाली बाजार चांदनी चौक, पुराने बस स्टेंड नगरपालिका सुभाषनगर होते हुए जयस्तंभ चौक पर संपन्न हुआ।

हम सबने ठाना सिरोंज बनेगा जिला:कपिल त्यागी

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज जिला बनाने की मांग तो वर्षों से की जा रही है लेकिन घोषणा आज तक नहीं हो पाई एक बार फिर सरकार के द्वारा नवीन जिला बनाने की घोषणा की जा सकती है जिसके लिए पुनर्गठन आयोग भी बनाया गया है। इसी के संदर्भ में सिरोंज जिला बनाओ समिति के सदस्यों ने एडवोकेट कपिल त्यागी के साथ भोपाल पहुंचकर समिति के सदस्यों ने पुनर्गठन आयोग के सदस्य मनोज श्रीवास्तव को सिरोंज जिला बनाने के संबंध में ज्ञापन सौंप कर विस्तार से जानकारी देते हुए सिरोंज को जिला बनाने की मांग भी रखी है। वहीं मध्य प्रदेश में कुछ नए जिलों का गठन होना है। इसी को लेकर पुनर्गठन आयोग बनया गया हे वहीं सिरोंज जिला बनाने की मांग काई वर्षों से चली आ रही हैं। जिला बनाने का प्रस्ताव 2013 मे पारित हो चुका था आगर ज़िले के सांथ16/8/13 इसकी घोषणां होना थी परन्तु किन्ही कारणों के चलते सिरोंज जिला बनने की घोषणा शिव वंचित रह गया जबकि आगर जिले की घोषणा हो गई थी इसके बाद से लगातार सिरोंज में जिले के लिए आवेदन ज्ञापन दिये जा रहे हैं एवं धरना प्रदर्शन भी किया गया । समय-समय पर जिले की सिरोंज वासी मांग करते रहे हें। अब फिर कुछ नवीन ज़िलों का गठन होना है। सिरोंज जिला बनाओ समिति के सदस्यों ने मध्य प्रदेश पुनर्गठन आयोग के नवनियुक्त÷ सदस्य÷ पूर्व मुख्य सचिव ÷ मनोज श्रीवास्तव ÷ के निज निवास पर जाकर सिरोंज जिला बनाओ अभियान समिति के ज्ञापन दिया एवं विस्तृत चर्चा की तथा मनोज श्रीवास्तव द्वारा कुछ सुझाव एवं उनके निर्देश अनुसार जानकारी एकत्रित करना बताया ।इस दौरान पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवत सिंह रघुवंशी, मनोज श्रीवास्तव, अलताफ खान , कमर हाफिज, नितेश राजपूत ,महेश केवट , विजय जाटव आदि मौजूद थे।

मारपीट मामले में मुगलसराय थाने के सब इंस्पेक्टर को एसपी ने किया लाइन हाजिर

सिरोंज।, दोपहर मेट्रो।

मुगलसराय थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर रामेश्वर कुमरे को तत्काल प्रभाव से एसपी दीपक शुक्ला ने शिकायत और वीडियो सामने आने के बाद लाइन हाजिर करते हुए विभागीय जांच भी प्रारंभ की गई है। इसकी जानकारी देते हुए एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि फरियादी सरजू बाई पति नर्मदा प्रसाद अहिरवार निवासी आमखेड़ा थाना मुगलसराय में आवेदन देकर उसके पति के साथ मारपीट करने की शिकायत करते हुए मुगलसराय थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर रामेश्वर कुमरे पर कार्रवाई के लिए दिया था। इसके बाद पूरे घटनाक्रम की जानकारी एसपी को दी उनके निर्देश पर वीडियो और आवेदन की जांच के उपरांत तत्काल सब इंस्पेक्टर को विदिशा सिविल लाइन थाने में लाइन हाजिर करते हुए विभागीय जांच भी प्रारंभ कर दी गई है ।जानकारी के अनुसार 50000 की राशि सब इंस्पेक्टर के द्वारा मांगी गई थी उत्त राशि नहीं देने पर उसके साथ जानवरों की तरह व्यवहार करते हुए जमकर मारपीट की गुप्त स्थान पर भी चोटे पहुंचाई है ,मेडिकल में भी इसका खुलासा हुआ है ऐसी जानकारी भी सामने आई है। जिसकी शिकायत के बाद पूरा मामला मीडिया में आया और मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद एसी के द्वारा कार्रवाई की गई है।

मेट्रो एंकर | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर

पीएम आवास योजना:16 परिवारों और 10 अन्य परिवारों को विधायक ने कराया गृह प्रवेश

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को समर्पित स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ आज इटारसी में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश में 51000 आवासों का गृहप्रवेश एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2०0 का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश में वर्चुअल माध्यम से किया गया। जिसका सीधा प्रसारण कविवर भवानी प्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम इटारसी में मिंटो हॉल भोपाल से किया गया। प्रसारण को सुनने के लिए विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा, भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्?यक्ष जयकिशोर चौधरी, सभापति राकेश जाधव, भाजपा मंडल अध्यक्ष पुरानी इटारसी मयंक मेहतो, पार्षद जिमी कैथवास, राहुल प्रधान, नगर महामंत्री भाजपा राहुल चौरे, उपयंत्री सोनिका अग्रवाल, सुरेंद्र रावत, कमलकांत बढगोती, जगदीश पटेल सहित अन्य मौजूद थे।

इस कार्यक्रम के बाद पीएम आवास योजना के तहत न्यास कॉलोनी में बने 16 फ्लैट में हितग्राहियों को गृहप्रवेश कराने के लिए विधायक डॉ शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा सहित अन्य पहुंचे। यहां सभी फ्लैट में पूजन कर लाल फीता काटर गृह प्रवेश कराया गया। इसी के साथ शहर में पीएम आवास योजना के तहत ढाई लाख रुपये का अनुदान प्राप्?त कर बना गए 10 आवासों में भी हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया गया। जिसमें गांधी नगर में सपना पुष्पकांत गौर, महेश्वरी नगर में सुभाषचंद्र मालवीय, मालवीयगंज में संतोष यादव, सुदामा नगर में वीरेंद्र सिंह राजपूत, इकबालगंज में आबदा बी, मरियम मारकस, सिंधी कॉलोनी में सावित्री राजेंद्र शुक्ला सहित अन्य हैं।

टीम इंडिया ने लिया लंबा ब्रेक कसौटी पर पांच दिन का टेस्ट

भारत बांग्लादेश टेस्ट सीरीज

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होने जा रहा है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट गुरुवार को चेन्नई में शुरू होगा, जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा। सीरीज में जहां भारतीय टीम लगभग डेढ़ माह का बड़ा ब्रेक लेने के बाद इंटरनेशनल मैचों में वापसी करेगी तो वहीं बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को उसकी ही धरती पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद आ रही है। फॉर्म के आधार पर भले ही बांग्लादेश को हल्के में नहीं लिया जा सकता,लेकिन मेजबान टीम का घरेलू मैदानों पर टेस्ट मैचों का इतिहास के नजरिये से टीम इंडिया का पलड़ा बेहद मजबूत कहा जा सकता है। इस सीरीज के साथ ही टीम इंडिया अपने आगामी व्यस्त कार्यक्रम का आगाज करेगी।गौरतलब है टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों के बाद न्यूजीलैंड के विरुद्ध 3 व ऑस्ट्रेलिया के साथ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। दरअसल, यह 10 मैच ही तय करेंगे कि टीम इंडिया लगातार तीसरी बार टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह हासिल करेगी या नहीं।इन 10 टेस्ट मैचों में से 5 उसको घरेलू जमीन पर खेलने हैं,वहीं ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने उसकी सरजमीं पर जाना है। अब अगर हम बांग्लादेश के साथ होने वाली टेस्ट सीरीज की करें तो फिर मेरी नजर में सबसे अहम बात चेन्नई और कानपुर में होने वाले दोनों टेस्ट मैचों के लिए सबसे बड़ी बात यही है,कि क्या भारतीय सरजमीं पर होने वाला टेस्ट मैच पूरे 5 दिन चलेगा। भारतीय सरजमीं पर होने वाले टेस्ट मैचों पर यह सवाल पिछले कई टेस्ट मैचों पर तैयार पिचों की वजह से उठना लाजमी है। इंदौर,पुणे,बेंगलुरु,कानपुर से लेकर कई वह टेस्ट सेंटर रहे हैं जिनकी पिचों के बर्ताव कारण कई मर्तबा यह मांग उठाई गई कि अब 5 दिनों के टेस्ट मैचों की अवधी कम कर देना चाहिए।वैसे तो कई देशों की पिचों को लेकर सवाल उठे हैं,लेकिन अगर हम भारतीय पिचों की करें तो पिछले 4 साल में खेले गए टेस्ट मैचों में पिचों के दर्जे को पचास प्रतिशत औसत और उससे भी कम का दर्जा दिया गया है।वैसे सच तो यह है कि अगर बीसीसीआई इतना ताकतवर न होता तो फिर आकलन इससे इतर भी हो सकता था।भारतीय पिचों पर उठने वाले तमाम सवाल पिछले 2 वर्षों में कम होने की बजाय बड़े हैं।2022-23 में ऑस्ट्रेलिया के साथ खेली गई टेस्ट सीरीज के पहले 3 टेस्ट मैच 3 दिन में ही पूरे होना, पिचों को लेकर सबसे बड़ा सवाल था।दरअसल जब टेस्ट मैच में मुकाबला दो बेहद मजबूत टीमों के बीच हो और वह मात्र 3 दिन चले तो सवाल उठना गैरवाजिब नहीं माना जा सकता है। ऐसा ही कुछ नजारा 2022 में ही श्रीलंका के साथ बेंगलुरू में खेले गए पहले पिंक बॉल टेस्ट में भी देखने को मिला था। यह बात सच है कि टेस्ट मैचों में मेजबान टीम पिच अपनी सुविधानुसार असल ताकत को दोगुना करने के हिसाब से ही बनवाती है,लेकिन सवाल तभी उठता है जब कोई भी टेस्ट आधे समय में ही खत्म हो जाता है।अब अगर हम आज से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच की बात करें तो फिर टीम इंडिया की एकादश को लेकर सबसे रोचक पहलू यही रहने वाला है कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे को दिमाग मे रखते हुए पेसर ओर फिरकी के बीच किस कॉम्बिनेशन पर दांव खेलती है।बल्लेबाजी क्रम में ज्यादा छेड़खानी की गुंजाइश कम ही है।वहीं सीरीज में टॉस का किरदार तभी कारगर रहने वाला है जब टॉस जीतने वाली टीम पहली पारी में निर्णायक बड़त हासिल करे,क्योंकि टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का मकसद तभी सार्थक साबित होता है जब मैच आखिरी दिन तक चलता है।टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम में ऋषभ पंत और के एल राहुल पर सबकी निगाहें रहेंगी,क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी उपयोगिता सिद्ध कर चुके दोनों बल्लेबाज घरेलू जमीन पर क्या गुल खिलाते हैं रोचक यह भी रहेगा। क्रिकेट के तमाम जानकार ओर कई पूर्व खिलाड़ी भले ही बांग्लादेश की टीम से बेहद सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं लेकिन मेरे नजरिये में यह सीरीज टीम इंडिया के लिहाज सेआने वाली दोअहम सीरीज की तैयारी व खिलाड़ियों को मात्र तरोताजा करने वाली साबित होगी। वहीं बांग्लादेश टीम के लिए पाकिस्तान की तरह भारत में बड़ा उलटफेर या चमत्कार करना कतई आसान नहीं होगा। चेन्नई और कानपुर में होने वाले दो टेस्ट मैचों में ऊँट किस करवट बैठेगा यह तो सीरीज के बाद ही पता चलेगा,लेकिन सबसे दिलचस्प यही रहेगा कि भारतीय सरजमीं पर होने वाले आगामी 5 टेस्ट मैच कितने दिन में रिजल्ट देते हैं।

लंच तक इंडिया का स्कोर 3 विकेट गिरने के बाद 88 रन

चेन्नई. एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा रहा है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। गुरुवार को पहले दिन भारत ने पहली पारी में लंच तक 3 विकेट पर 88 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल 37 और ऋषभ पंत 33 पर नाबाद हैं। दोनों के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप हो चुकी है। पंत डेढ़ साल के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। दिन के पहले घंटे में बांग्लादेशी पेसर्स ने उछाल और स्विंग से भारतीय बैटर्स को दबाव में डाला। हसन महमूद ने कप्तान रोहित शर्मा (6 रन), शुभमन गिल (शून्य) और विराट कोहली (6 रन) को पवेलियन भेजा। यहां भारतीय टीम का स्कोर 35 रन था। ऐसे में जायसवाल और पंत की साझेदारी ने भारत की वापसी कराई। भारत-बांग्लादेश टेस्ट के पहले दिन का पहला सेशन मिलाजुला रहा। लंच तक भारतीय टीम ने 3 विकेट पर 88 रन बनाए। ओपनर यशस्वी जायसवाल 37 और ऋषभ पंत 33 रन पर नाबाद रहे। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप करके भारत की वापसी कराई।

मेट्रो बाजार

एक साल में बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने दिया 31 प्रतिशत मुनाफा

नई दिल्ली. एजेंसी

बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट सहित निवेश के अन्य साधनों को पीछे छोड़ते हुए बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक साल में 31 फीसदी तक का मुनाफा दिया है। यानी इस दौरान बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में 10,000 रुपये का निवेश किया होगा तो आज वह 13,000 रुपये से ज्यादा हो गया होगा। म्यूचुअल फंड की यह स्कीम इक्विटी बाजार में शून्य से लेकर 100 फीसदी तक निवेश करती है।

एसोशिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के जारी आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी फंड में निवेशकों का रुझान बना हुआ है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड सिस्टैमैटिक नियम आधारित मॉडल का उपयोग करता है जो इक्विटी अलोकेशन को समयानुसार समाहित करता है। यह एक इन हाउस प्रोसेस है जिसकी मदद से फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश कर पाता है। यह फंड इक्विटी या फिक्स्ड इनकम में शून्य से 100 फीसदी तक निवेश करता है। एक्सिस म्यूचुअल फंड के इक्विटी फंड मैनेजर जयेश सुंदर कहते हैं कि एक्सिस बैलेंस्ड एडवांटेज फंड इक्विटी आवंटन के लिए एक गतिशील रणनीति अपनाता है, जिसमें उचित मूल्यांकन पर मजबूत विकास क्षमता वाली कंपनियां शामिल होती हैं। फंड का फिलहाल लार्जकैप शेयरों में 77.6 फीसदी निवेश है। मिडकैप शेयरों में 13.1 और स्माल कैप में 9.4 फीसदी का निवेश है। शीर्ष 10 सेक्टर में वित्तीय सेवाएं, आईटी, हेल्थकेयर, तेल एवं गैस, ऑटोमोबाइल एवं इसके कलपुर्जे, एफएमसीजी क्षेत्र, कैपिटल गुड्स, केमिकल और अन्य हैं।

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जुलाई में सुस्त पड़कर 4.8 फीसदी

मुंबई. एजेंसी

जुलाई महीने में खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन की वजह से देश की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 4.8 प्रतिशत पर आ गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से औद्योगिक उत्पादन के ये आंकड़े जारी किए गए। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला कारखाना उत्पादन जुलाई, 2023 में 6.2 प्रतिशत बढ़ा था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस साल जुलाई में देश का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 4.8 प्रतिशत बढ़ा था। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन जुलाई में 4.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 5.3 प्रतिशत बढ़ा था। खनन क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई, 2024 में 3.7 प्रतिशत रही जबकि बिजली उत्पादन में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में देश का औद्योगिक उत्पादन 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 5.1 प्रतिशत बढ़ा था। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन जुलाई में 4.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 5.3 प्रतिशत बढ़ा था। खनन क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई, 2024 में 3.7 प्रतिशत रही जबकि बिजली उत्पादन में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

स्टेडियम के पुनर्निर्माण पर 12.8 अरब रुपए खर्च करेगा पाकिस्तान, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले चमकेंगे मैदान

कराची. एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी के नौवें संस्करण का आयोजन 19 फरवरी से नौ मार्च 2025 के बीच हो सकता है। 10 मार्च को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा जिसके लिए रिजर्व डे भी रखा गया है। इन मैचों का आयोजन कराची, रावलपिंडी और लाहौर स्टेडियम में किया जाएगा जिसमें कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बोर्ड की तरफ से जानकारी दी गई कि चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लाहौर, कराची और रावलपिंडी में स्टेडियमों के पुनर्निर्माण के लिए के 12.8 अरब रुपये आवंटित किए गए हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने फैसलाबाद में हुई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में आश्वासन दिया कि तीनों स्थान चैंपियंस ट्रफी की मेजबानी के लिए समय पर तैयार हो जाएंगे। राशि के वितरण का विवरण देते हुए नकवी ने बताया कि 12.8 अरब में से 7.7 अरब रुपये लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम के पुनर्निर्माण पर खर्च किए जाएंगे।

बीसीसीआई ने अब तक नहीं दी मंजूरी

1996 के बाद पहली बार पाकिस्तान किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि, उसने 2008 में पूरे एशिया कप की मेजबानी की थी और पिछले साल भी इसी टूर्नामेंट के कुछ मैच अपनी सरजमीं पर कराए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि करनी है कि वह राष्ट्रीय टीम को आईसीसी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान भेजेगा या नहीं।

कब होगा चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन? 19 फरवरी से नौ मार्च 2025 के बीच हो सकता है। 10 मार्च को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा जिसके लिए रिजर्व डे भी रखा गया है। इन मैचों का आयोजन कराची, रावलपिंडी और लाहौर स्टेडियम में किया जाएगा जिसमें कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को रखा गया है। वहीं, ग्रुप बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान को शामिल किया गया है।

पोंटिंग ने टेस्ट क्रिकेट को बदलने में भारतीय बल्लेबाज की भूमिका को सराहा

वेगासो. एजेंसी

भारतीय टीम कोहली की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी। इसके अलावा टीम ने अन्य स्थानों पर भी कुछ यादगार जीत दर्ज की। कोहली ने कप्तानी में अपनी आक्रामकता से सभी को यह विश्वास दिलाया कि भारतीय टीम विदेशों में भी जीत सकती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच साल के अंत में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज होनी है। इस सीरीज से पहले कंगारू टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया है। पोंटिंग में भारत में टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए कोहली की भूमिका की सराहना की है। भारत के पूर्व कप्तान की तारीफ करते हुए पोंटिंग ने कहा कि भारतीय बल्लेबाज अब बड़े मंच से नहीं डरते और इसका सबूत विदेशों में भारतीय टीम की सफलता है। पोंटिंग ने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के योगदान की भी सराहना की जिन्होंने जून में भारत को टी20 विश्व कप खिताब दिलाने के बाद यह पद छोड़ दिया था।

जो रूट 2027 में तोड़ सकते हैं सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

पेरिस. एजेंसी

इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ा था। रूट ने इसी के साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया था और इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए थे। रूट के अब टेस्ट में 34 शतक हैं। ऐसा माना जा रहा है कि रूट टेस्ट में महान सचिन तेंदुलकर के रनों के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। हालांकि, इसके लिए रूट का इसी फॉर्म में होना जरूरी होगा। इंग्लैंड में आमतौर पर खिलाड़ी कम उम्र में ही संन्यास की घोषणा कर देते हैं। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि 33 साल के रूट खेल को छोड़ने से पहले सचिन का रिकॉर्ड तोड़ पाते हैं या नहीं। हालांकि, अगर रूट का मौजूदा फॉर्म जारी रहता है और वह 50+ की औसत से रन बनाना जारी रखते हैं तो 2027 तक सचिन को पीछे छोड़ देंगे। अगर रूट अभी से अगर हर पारी में 53 रन बनाते हैं तो आने वाली 66 पारियों में वह सचिन के रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

रिलेशनशिप में हैं एक्टर ईशान, खुद किया कंफर्म, लेकिन नाम नहीं बताया

शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर हाल ही में ज़्ामा सीरीज़ द परफेक्ट कपल के साथ अपने इंटरनेशनल डेब्यू को लेकर सुर्खियों में हैं. सीरीज में ग्लोबल सेंसेशन निकोल किडमैन लीज रोल में हैं. वहीं एक मैग्जीन को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में ईशान ने अपने अपनी लव लाइफ को लेकर बात की और कंफर्म कर दिया कि वे रिलेशनशिप में हैं. ईशान को अक्सर चांदनी बेन्ज़ के साथ स्पॉट किया जाता है जिससे उनकी डेटिंग के रूमर्स खूब फैले हुए हैं. द वहीं डर्टी मैगज़ीन के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, धड़क अभिनेता से रिलेशनशिप स्टेट्स के बारे में पूछा गया था कि क्या उनके बारे में डेटिंग की अफवाहें सच हैं या नहीं. आमतौर पर जब ईशान खट्टर से पहले भी यही सवाल पूछा जाता था तो उन्होंने इसका जवाब न देना ही बेहतर समझा. हालांकि, लेटेस्ट इंटरव्यू में उन्होंने कंफर्म कर दिया कि वे सिंगल नहीं हैं और रिलेशनशिप में हैं.

वहीं ईशान से उनके लेडी लव के बारे में और डिटेल्स पूछी गई तो एक्टर चुप्पी साधे रहे और उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड का नाम नहीं बतायाय इसके बजाय, उन्होंने कहा कि वह तस्वीरें क्लिक करने से पैप्स को कंट्रोल नहीं कर सकते, लेकिन जो वह कंट्रोल कर सकते हैं वह है अपनी पर्सनल लाइफ बारे में सुरक्षात्मक होना. हालांकि, ईशान ने हिंट दिया कि उनकी पार्टनर उनकी तरह इस्टेब्लिश नहीं है. दरअसल एक्टर ने कहा, मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रिश्ते में रहा हूं जो मेरी तरह स्थापित नहीं है, इसलिए मैं इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हूं कि यह उन महिलाओं को कैसे प्रभावित करता है जिनके साथ मैं हूं. इंटरव्यू में आगे ईशान से पूछा गया कि वह किस तरह के पार्टनर हैं. राज़ खोलते हुए उन्होंने खुद को अच्छा पार्टनर बताया, पिप्पा अभिनेता ने कहा कि हर किसी की तरह, उनमें भी कुछ खामियां हैं, लेकिन उन्होंने मेंशन किया कि वह अपने पिछले रिश्तों के बाद से उन खामियों पर काम कर रहे हैं.

अमिताभ ने जला हुआ हाथ छिपाकर की फिल्म की शूटिंग, बन गया सिग्नेचर स्टाइल

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन की एक्टिंग, उनकी आवाज और उनके डायलॉग बोलने का तरीका, सबकुछ फैंस का दिल जीत लेता है. एक दौर में पैंट की एक जेब में हाथ डालकर चलना लोगों का दिल जीत लेता था. बाद में यही उनका सिग्नेचर स्टाइल भी बन गया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये सिग्नेचर स्टाइल अमिताभ बच्चन का स्वैग नहीं था, बल्कि ये उनकी मजबूरी से सामने आया. दरअसल एक बार अमिताभ बच्चन के साथ दिवाली के मौके पर हादसा हो गया था. उनका दाया हाथ पटाखों से बुरी तरह जल गया. हाथ पर जले के निशान गहरे थे जो कैमरे पर आसानी से नजर आते और इसी बीच अमिताभ बच्चन को फिल्म शराबी की शूटिंग करनी थी. बिग बी हर हाल में फिल्म की शूटिंग पूरी करना चाहते थे.

ऐसे बिग बी को मिला सिग्नेचर स्टाइल: 'शराबी' की शूटिंग के दौरान फिल्म के डायरेक्टर प्रकाश मेहरा ने ही अमिताभ बच्चन को सलाह दी थी कि वे अपना जला हुआ हाथ पैंट की जेब में रखे. इसी तरह जेब में हाथ रखकर अमिताभ में पूरी फिल्म शूट की जो कि उनकी मजबूरी थी. लोगों को उनका ये अंदाज इतना पसंद आया कि ये बिग बी का सिग्नेचर स्टाइल बन गया.

जले हुए हाथ से निकलने लगा था खून: महानायक अमिताभ बच्चन ने फिल्म शराबी के एक गाने की शूटिंग के दौरान अपने हाथ में घुंघरू भी बांधे थे. लेकिन इसकी वजह से उनका जला हुआ हाथ और चोटिल हो गया और उनके हाथ से खून भी निकले लगा. लेकिन फिल्म के डायरेक्ट ने इसका भी फिल्म में इस्तेमाल किया. उन्होंने हाथ से खून निकलने को शूट कर लिया और इसे फिल्म में भी ऐड किया था.

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के पावर कपल में से एक हैं। फैंस को इनकी जोड़ी बेहद पसंद है। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अब रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में नेपोटिज्म की बहस के बारे में अपनी राय साझा की है और कहा है कि इसके चलते अभिनेत्री ने कुछ प्रोजेक्ट्स भी खो दिए हैं। रकुल प्रीत सिंह ने 2014 की फिल्म यारियां से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने दे दे प्यार दे, रनवे 34, डॉक्टर जी, थैंक गॉड और छतरीवाली जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है। रकुल अब अजय देवगन और आर माधवन के साथ दे दे प्यार दे 2 की तैयारी कर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में भाई-भतीजावाद के बारे में बात की और चर्चा की कि उन्हें अपने करियर में फिल्में खोने पर दुख क्यों नहीं होता। रणवीर शो में रकुल प्रीत सिंह ने नेपोटिज्म पर अपनी राय व्यक्त की और स्वीकार किया कि उन्होंने फिल्में खो दी हैं। रकुल ने याद किया कि जब वह सेना में शामिल होना चाहती थी, तो उनके पिता अपना अनुभव साझा करते थे। अभिनेत्री को कड़वाहट पसंद नहीं है क्योंकि उनका मानना है कि वे प्रोजेक्ट उनके लिए नहीं थे। रकुल ने कहा, मुझे सेना में जाना था, मेरे पिताजी मुझसे अपने अनुभव साझा करते थे। इसलिए भाई-भतीजावाद, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचती। हां, ये होता है, फिल्में ली गई हैं, लेकिन मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो कड़वा होकर बैठ जाएगी। हो सकता है कि यह मेरे लिए नहीं था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि अवसर खोना तय है और आप तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब आप इसे समझेंगे। रकुल ने मेडिकल इंडस्ट्री का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई डॉक्टर बोर्ड में शामिल नहीं हो पाता है और किसी और को वहां भेजा जाता है, तो यह जीवन का एक हिस्सा है।

देर रात तक हुआ प्रतिमाओं विसर्जन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में देर रात तक गणपति बप्पा का विसर्जन होता रहा। चल समारोह भी देर रात तक निकलते रहे।

ऐशबाग थाने में दैनिक वेतन भोगी की मौत

पूछताछ में बेसुध होकर गिरा दैवेभो एसआई बोले-नौटंकी कर रहा : मौत

- बेसुध होने पर भी पुलिस ने नहीं की मदद, परिजन थाने से गोद में उठाकर ले गए, अस्पताल में हुई मौत

- परिजन और भीड़ ने घेरा थाना, पुलिस की गुजारिश के बाद पोस्टमार्टम के लिए माने परिजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाने में बुधवार शाम बेसुध होकर गिरे पीडब्ल्यूडी के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के परिजन ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस का आरोप है कि घरेलू हिंसा के प्रकरण पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया। थाने में इतना धमकाया कि घबराहट में जान चली गई। परिजन अड़े रहे कि उन्हें पीएम नहीं कराना, लेकिन पुलिस के आलाधिकारियों ने जब समझाइश दी तो परिजन मान गए। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा।

यह है मामला: बाग फरहता अफजा निवासी 47 साल के मोहम्मद अकरम लोक निर्माण विभाग में दैनिक वेतन भोगी थे। उनके बेटे फाजिल की तीन महीने पहले शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन फाजिल की पत्नी अच्छे से रही फिर विवाद करने लगी। करीब पंद्रह दिन पहले वह विवाद करने के बाद अपने मायके चली गई। बुधवार को उसने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत की। पुलिस ने अकरम को कॉल कर थाने बुलाया। अकरम का कहनाड़था कि उनका बेटा काम पर गया है। बेटे के आने के बाद वह थाने पहुंच जाएगे।

मोबाइल पर दी धमकी: थाने से एएसआई अनिल श्रीवास्तव का कॉल गया और उन्होंने कहा कि जल्दी थाने पहुंच

जाओ वरना पुलिस लेने घर पहुंच जाएगी। अकरम थाने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी रूबीना भी थीं। इस दौरान पुलिस ने कहा कि बेटे को बुलाओ। तब अकरम ने कहा कि बेटा काम पर गया है। शाम करीब साड़े सात बजे बेटा को लेकर अकरम फिर से थाने पहुंचे। उनसे पुलिसकर्मी अनिल श्रीवास्तव ने बैठने के लिए कहा। वह बेंच पर बैठ गए। तभी उन्होंने पूछताछ के बहाने अकरम को धमकाना शुरू कर दिया। इससे उन्हें घबराहट होने लगी। वह कहने लगे कि मुझे घबराहट हो रही है और बाहर जाना है। इस पर एएसआई ने धमकाया कि तू बाहर नहीं लॉकअप के अंदर जाएगा। यह सुनते ही अकरम बेसुध होकर बेंच से गिर पड़े। उनके बेटा फाजिल कहने लगा कि पिता को अस्पताल ले जाना होगा, लेकिन पुलिस कहने लगी कि अकरम नौटंकी कर रहा है। जब वह बेसुध हो गए। तब पुलिस अपने हाथ खड़े कर लिए। उनका बेटा उन्हें गोद में उठाकर आटो स्टैंड लेकर पहुंचा। आटो से वह शाकिर अली अस्पताल लेकर पिता को पहुंचा। तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने चेक करते ही मृत घोषित कर दिया।

पुलिस को बताया जिम्मेदार, कहा नहीं आया रहम

फाजिल ने बताया कि पुलिसकर्मियों के सामने ही उनके पिता ने अंतिम सांसे ली है और पुलिस इसे नौटंकी बताती रही। पुलिस ने उनके साथ अपराधियों जैसा बर्ताव किया। किसी ने पिता को अस्पताल पहुंचाने में मदद तक नहीं की। वे आटो से पिता को लेकर शाकिर अली अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने बताया कि काफी देर हो चुकी है।

थाने के बाहर भीड़, बुलाया अतिरिक्त बल

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में इलाके के लोग थाने के सामने जमा हो गए। हालात तनावपूर्ण होते देख पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर दिया। देर रात तक पुलिस के आला अधिकारी थाने के बाहर तैनात रहे।

खुद को कमरे में बंद कर युवक ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू मिनाल रेसीडेंसी में बुधवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पत्नी किसी तरह से दरवाजा तोड़कर उन्हें निजी अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। साथ ही शोकाकुल परिजन के बयान भी दर्ज नहीं हो सके हैं। बयान दर्ज होने के बाद ही आत्महत्या की सही वजह साफ हो सकेगी। पुलिस के अनुसार शिवराज दांगी पिता विश्राम सिंह दांगी (40) मूलत- बैरसिया का था। यहां मिनाल रेसीडेंसी में नौकरी करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा छह साल का बच्चा है। कंपनी की तरफ से शिवराज दांगी को गेट नंबर-5 के पास न्यू मिनाल रेसीडेंसी में फ्लैट मिला है। शिवराज की पत्नी ने बताया कि बुधवार दोपहर शिवराज अंदर वाले कमरे में चले गए थे। काफी देर तक बाहर नहीं निकले। उसने गेट खोलने के लिए काफी आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उसने दरवाजा तोड़ा। दरवाजा तोड़ने पर पता चला कि दुपट्टे का फंदा बनाकर शिवराज फांसी लगा चुके हैं। आसपास के लोगों की मदद से वह शिवराज को लेकर बायपास स्थित निजी अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही शिवराज को मृत घोषित कर दिया।

रेलवे ट्रैक पर गर्दन रखकर युवक ने की आत्महत्या, धड़ से अलग हुआ सिर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित मुरारजी नगर के पास बुधवार शाम एक युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। जिस तरह से गर्दन और धड़ मिला है उससे अनुमान है कि युवक ने ट्रैक पर लेटकर आत्महत्या की है। सूचना मिलते ही पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए थे। परिजन ने मृतक की शिनाख्त करते हुए बताया कि उनका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। :पुलिस के अनुसार जिंसी के पास जहांगीराबाद निवासी सईद उर्फ साजिद खान पिता अयाज बख्श (40) दोपहर करीब ढाई बजे घर से निकले थे। शाम करीब 4 बजे पुल बोगदा स्थित मार्बल दुकान के सामने मुरारजी नगर के पास रेलवे ट्रैक से उनकी लाश बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि ट्रैक के बाहर शव पड़ा था, जबकि ट्रैक के बीच में सिर पड़ा हुआ था। मृतक की गर्दन, धड़ से अलग हो गई थी। पुलिस ने शव पीएम के लिए मचूर्री भेज दिया है। गुरुवार को पीएम के बाद शव परिजन को सौंपा गया।

चलती बाइक पर एडवोकेट से मारपीट, गिरने से घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित 23वीं बटालियन के पास बाइक सवार बदमाशों ने एडवोकेट की बाइक को रोकने का प्रयास किया। वे नहीं रुके तो आरोपियों ने चलती बाइक पर उनसे मारपीट कर नीचे गिरा गया। बाइक से गिराने के बाद आरोपी वहां से अपनी बाइक लेकर भाग निकले। एडवोकेट का कहना है कि वह हमलावरों को पहचानते नहीं है। पुलिस के अनुसार संदीप श्रीवास (52) जे-59 सेवनिया गौड़, सूरज नगर थाना रातीबड़ में रहते हैं और वकालत करते हैं। वह सुभाष नगर से अपने घर जा रहे थे। वे बाइक पर थे। 23वीं बटालियन और भदभदा चौराहा के बीच में पहुंचा जहां एक बाइक पर सवार दो अज्ञात युवक आए। उन्होंने बाइक को रोकने का प्रयास किया। वे नहीं रुके तो बाइक चला रहे युवक ने उनके पैर पर हाथ मारा और पीछे बैठे लड़के ने मेरे सिर पर मुक्का दे मारा। मुक्का लगने से बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। उन्होंने बाइक पकड़ने का प्रयास किया तो लड़के बाइक लेकर इंडियन काफी हाउस से डिपो चौराहा की तरफ भाग निकले।

दुर्घटना : कार ने मारी बाइक सवार को टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोज विश्वविद्यालय के पास बीती रात तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का बोनट सामने से अंदर तक दब गया, जबकि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में घायल बाइक सवार को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि भोज विवि के पास हादसा हो गया है। पुलिस मौके पर पहुंची तो एक टूटी हुई बाइक और कार खड़ी मिली। कार में कार मालिक मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि वे बेटी के साथ आ रहे थे, तभी रांग साइड से एक बाइक वाला तेजी से आया और टक्कर हो गई। टक्कर के बाद घायल को एंबुलेंस अस्पताल लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान धर्मेंद्र झा पिता रमेश झा (25) निवासी शिवपुरी के रूप में की गई। वह शिवपुरी एक गांव का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि धर्मेंद्र भोपाल में कहां रहता था। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल उसका शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। परिजन के आने का इंतजार किया जा रहा है।

कार ने सड़क पार कर रहे भैंस को मारी टक्कर

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित सागर कॉलेज से कुछ दूरी पर वाइन शॉप के सामने तेज रफ्तार कार ने सड़क पर कार रहे भैंस के झुंड को टक्कर मार दी। राधेकिशन पिता राजपूत ने बताया उनका नौकर छोटे लाल भैंस का झुंड लेकर खेत पर जा रहा था। मुख्य सड़क पर झुंड पहुंचा और छोटेलाल भैंस के झुंड को सड़क पार कराने लगा। इसी समय कार चालक ने झुंड को टक्कर मार दी।

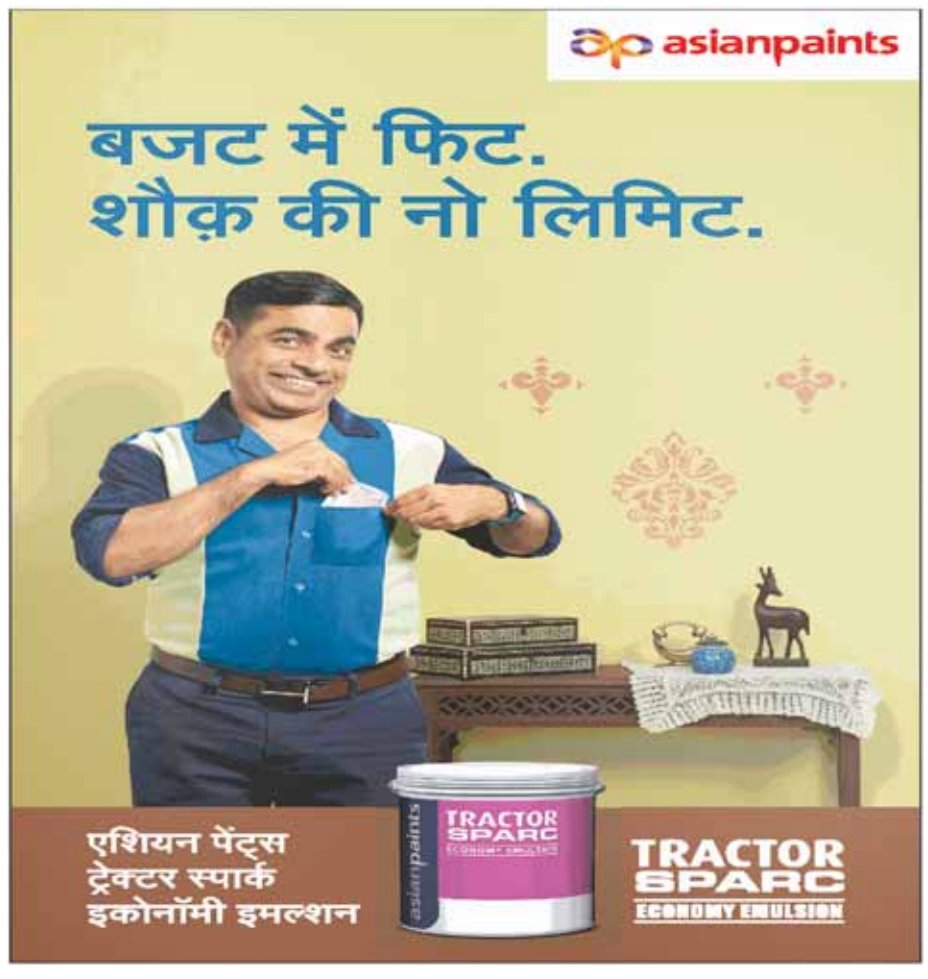

मेट्रो एंकर यात्रियों के जेवरात, नकदी और मोबाइल पर चोरों ने किया हाथ साफ

केरला एक्सप्रेस में लाखों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। केरला एक्सप्रेस के एसी कोच में सफर के दौरान एक व्यक्ति का ट्राली बैग चोरी हो गया। चोरी गए बैग में जेवरात और नकदी समेत लाखों रुपए का सामान था। इधर कई अन्य यात्रियों के मोबाइल समेत हजारों का सामान चोरी हुआ है। जीआरपी ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार वृंदावन उत्तर प्रदेश निवासी शिवकुमार तिवारी केरला एक्सप्रेस के एसी कोच में मथुरा से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। वह अपना ट्राली बैग सीट के नीचे रखकर सो गए थे।

भोपाल रेलवे स्टेशन आने से कुछ देर पहले नींद खुली तो बैग चोरी था। चोरी गए बैग में दस जोड़ी कपड़े, सोने की चेन 2 तोला वजनी, सोने की दो अंगूठियां और नकद 60 हजार रुपए रखे हुए थे। इधर रीवा निवासी प्रबल प्रताप सिंह विदिशा जाने के लिए मेमू ट्रेन में सवार हुए थे। ट्रेन में चड़ने के बाद देखा कि पेंट की जेब में रखा उनका मोबाइल गायब ह। चोरी गए मोबाइल की कीमत 36 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार धनसिंह गौड़ विदिशा जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। गोंडवाना एक्सप्रेस में चड़ते समय उनके पैंट की जेब में रखा मोबाइल किसी ने चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई। 40 हजार के 2 मोबाइल चोरी भोपाल निवासी उमर खान अपने रिश्तेदारों को ट्रेन में बिठाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचे थे। वह गलत ट्रेन में चल गए थे। यह पता चलते ही नीचे उतरने लगे, तभी किसी ने पैंट की जेब में रखा 20 हजार रुपए कीमत का मोबाइल चोरी कर लिया। इसी प्रकार घमापुर जिला जबलपुर निवासी राहुल मिश्रा अमरकंटक एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार होकर रानी कमलापति से जबलपुर जा रहा था। उसने अपना मोबाइल सीट पर रखा था। औबेदुल्लागंज स्टेशन पहुंचने पर पता चला कि मोबाइल नहीं है। चोरी गए मोबाइल की कीमत 20 हजार रुपए बताई गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022